RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 172 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 17-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ममता बनर्जी अपराधियों को बचा रही हैं, राजनीतिक करियर के अंत के कगार पर

6 क्या ममता पर होगी बड़ी कार्रवाई?

7 किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकते : सोनल चौहान

फर्स्ट टेक

रुपया 44 पैसे टूटकर 90.78 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई/भाषा। रुपए में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 44 पैसे टूटकर 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर की भारी मांग तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बाजार से पूंजी निकासी से रुपए पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर बनी चिंता ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 90.78 पर बंद हुआ जो बुधवार को बंद भाव से 44 पैसे की गिरावट है।

नए भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा 20 को

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा कि इस पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किए जाएंगे और अगले दिन नए पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है, क्योंकि इस बात की उम्मीद कम ही है कि कोई और नेता इस मुकाबले में शामिल नहीं होगा। भाजपा के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण द्वारा जारी संगठन चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के बीच दाखिल किया जा सकेगा और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच नामांकन वापस ले सकेंगे। उम्मीदवारों के नामांकन पत्र की छानबीन 19 जनवरी को शाम 4 बजे से शाम 5 बजे के बीच की जाएगी।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून को पांच साल कैद की सजा

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा 'मार्शल लॉ' लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। संबंधित आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में थोड़े समय के लिए 'मार्शल लॉ' लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें गिरफ्तार किया गया और राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया।

17-01-2026 सूर्यास्त 6:13 बजे	18-01-2026 सूर्योदय 6:46 बजे
BSE 83,570.35 (+187.64)	NSE 25,694.35 (+28.75)
सोना 14,766 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 288,393 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महानगरीय चक्रव्यूह

दिल्ली में आकाश विषैला,
चेन्नई में तूफान है।
मुंबई भी बेचैन हो रही,
बेंगलूरु हैरान है।
कलकत्ता में उठापटक है,
बाकी सब हलकान है।
महानगरों के चक्रव्यूह में,
फँसी देश की जान है।।

कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लस्टर

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या (बाएं) शुक्रवार को तुमकुरु में आयोजित 'कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लस्टर 2025-26' के उद्घाटन समारोह के दौरान।

अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक क्रांति करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है। इनमें से करीब 125 स्टार्टअप एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन के साथ 'यूनिकॉर्न' दर्जा हासिल कर चुके हैं।

मोदी ने कहा कि इसके साथ ही भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। आपका साहस, आत्मविश्वास और नवाचार भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे।

हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और स्वीकार करने वाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा होने पर हिंदुओं से इसके बारे में पूछा जाएगा, क्योंकि भारत ''केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है, बल्कि देश का चरित्र है''।

भागवत ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और स्वीकार करने वाला है, जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान की आदतों, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को समायोजित करता है, और ऐसे मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख ने कहा, ''भारत में चाहे कुछ अच्छा हो या बुरा, हिंदुओं से ही इसके बारे में पूछा जाएगा। यह सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है, बल्कि देश का चरित्र है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग आत्मसात करने और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और विस्तार से कहें तो, देश के चरित्र का भी।

भागवत ने कहा, ''यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है, और लोगों ने यह सुनिश्चित किया है कि इसके मूल मूल्य एवं धर्म नष्ट न हों। ऐसे लोगों को हिंदू कहा जाता है, और ऐसे लोगों की भूमि को भारत के नाम से जाना जाता है।'' उन्होंने कहा कि यदि लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करेंगे, तो देश भी वैश्विक मंच पर उन गुणों को प्रतिबिंबित करेगा।

आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भारत से कुछ उम्मीदें रखती है और देश पर्याप्त शक्ति एवं प्रभाव होने पर सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा।

कुमारस्वामी ने प्रियंक खरगे पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे पर निशाना साधा और उनसे कहा कि वह दूसरों पर टिप्पणी करने के बजाय अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान दें। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) की प्रासंगिकता पर सवाल उठाने वाली खरगे की टिप्पणियों का जवाब देते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस को उनकी पार्टी को ''प्रमाणपत्र जारी करने'' का कोई अधिकार नहीं है और दावा किया कि कांग्रेस के अहंकार की उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

कुमारस्वामी ने कहा, ''जद (एस) की बात करने से पहले, बिहार और महाराष्ट्र में अपनी तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी की हालत पर एक नजर डालिए।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रियंक खरगे कौन होते हैं जद (एस) पर चर्चा करने वाले? हमें उनके प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। पहले वह अपने पिता से पूछें कि कांग्रेस में कितने मंत्री जद (एस) से हैं? मुख्यमंत्री से लेकर निचले क्रम तक, क्या आप जानते हैं कि कितने लोग मूल रूप से जद (एस) से हैं?''

उनका इशारा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की ओर था, जो पहले जद (एस) में थे। कुमारस्वामी ने दावा किया कि अहंकार ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया है और उन्होंने प्रियंक खरगे से अन्य पार्टियों के बारे में राजनीतिक टिप्पणी करने के बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

एक हज़ार साल में 16 आक्रमणों के बावजूद शाश्वत

सनातन धर्म का प्रतीक है सोमनाथ मंदिर : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात का सोमनाथ मंदिर गत एक हजार साल में 16 आक्रमणों के बावजूद शाश्वत 'सनातन धर्म' के प्रतीक के रूप में शान से खड़ा है और दिखाता है कि सृजन करने वालों की शक्ति विनाश करने वालों से कहीं अधिक है।

शाह ने यहां यमुना नदी के किनारे स्थित विशाल बांसेरा पार्क में तीसरे अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का उद्घाटन किया और लोगों को, विशेषकर किसानों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

शाह ने कहा कि मकर संक्रांति को विभिन्न क्षेत्रों में लोहड़ी, बिहू, पोंगल और खिचड़ी पर्व के नाम से भी जाना जाता है जो मूल रूप से किसानों का त्योहार है और सूर्य देवता की जीवनदायी शक्ति का प्रतीक है।

शाह ने पतंग महोत्सव पर कहा कि यह देश के लोगों को दिल्ली से जोड़ेगा और उन्होंने दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से इसे देश और दुनिया के अग्रणी आयोजनों में से एक बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने सुझाव दिया कि इस आयोजन को और अधिक समग्र बनाने के लिए एक समिति का गठन किया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उपस्थित थे।

भारत-जापान में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम घटाने की अपार क्षमता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर शुक्रवार को सहमति जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच साझेदारी में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों को कम करने की अपार क्षमता है।

जयशंकर ने यहां जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता में हिस्सा लेने के बाद यह टिप्पणी की। वार्ता में दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिजों पर एक संयुक्त कार्य समूह और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर एक संवाद तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए।

जयशंकर के साथ बातचीत से पहले मोतेगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमारे बीच विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी में लगातार प्रगति हो रही है और इसमें विश्व व्यवस्था को आकार देने तथा अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों को कम करने की अपार क्षमता है।

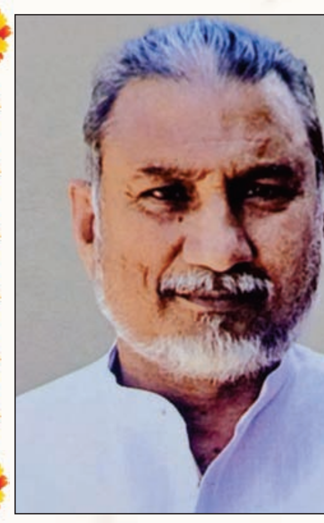

श्री गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु के सभी पदाधिकारियों एवं संस्थापक महामंत्री श्री कुमारपाल सिसोदिया का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन

श्री गोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु की ओर से हाल ही में आयोजित एक भव्य व गरिमामय कार्यक्रम में राणावत अतिथि भवन से जुड़े 415 उदारमना सहयोगी सदस्यों में से लक्की-ड्रॉ पद्धति द्वारा 25 सहयोगियों का चयन कर उनका सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि ट्रस्ट की ओर से राणावत अतिथि भवन के निर्माण के समय ट्रस्ट के श्री कुमारपाल जी सिसोदिया ने ऐसी घोषणा की थी और उन्होंने अपने उसी वादे को निभाते हुए दस वर्ष बाद भी याद रखकर अब साकार रूप दिया तथा 25 सहयोगी सदस्यों का सम्मान किया, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। इतनी अवधि में तो सहयोग देने वाले और लेने वाले सब भूल जाते हैं लेकिन अपने वचन का स्मरण कर उसे निभाना एक अनूठा उदाहरण है। इस प्रयास की जितनी सराहना की जाए, कम ही है। ऐसे उदाहरण समाज में संस्थाओं के प्रति विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ करते हैं। कुछ सहयोगियों ने तो लक्की-ड्रॉ से मिलने वाली राशि भी वापस ट्रस्ट को ही लौटा देने की पेशकश कर दी है। यह ट्रस्ट की पारदर्शितापूर्ण कार्यशैली के प्रति सम्मान व समर्थन प्रदर्शित करना दर्शाता है।

चयनित सभी सहयोगी, गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे अन्य विविध जनोपयोगी एवं सामाजिक कार्यों की भी खूब प्रशंसा करते हैं तथा ट्रस्ट के प्रयासों, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं समाजहित में निरंतर सक्रिय भूमिका के प्रति अपनी सहमति एवं अनुमोदन व्यक्त करते हैं। हम सभी विशेष रूप से गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के गठन के समय से जुड़े व पूरी निष्ठा से सक्रिय श्री कुमारपालजी सिसोदिया की, निःस्वार्थ भाव से पिछले 40 वर्षो से लगातार ट्रस्ट व समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठा एवं विश्वसनीयता की विशेष रूप से सराहना और अनुमोदना करते हैं।

Mr. Kumarpalji, we appreciate your tireless efforts towards the society.

सकल जैन समाज के उदारमना सहयोगियों के सहयोग से समाज हित में बेगलूरु में, सीनियर सिटीज़न्स को रोज निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था तथा वे अगर भोजनशाला में भोजन करने नहीं आ सकते हैं तो, गोड़वाड़ भवन के कार्यकर्ताओं के माध्यम से उनके घर तक टिफिन पहुंचाने की सेवा उपलब्ध कराना आसान नहीं है, लेकिन यह सेवा सहर्ष दी जाती है। इतना ही नहीं, सीनियर सिटीज़न्स को निशुल्क मासिक रूप से दवाइयां भी दी जाती हैं। कोई भी बाहर गांव से इलाज के लिए बेंगलूरु आते हैं तो उन्हें जितने दिन भी शहर में रुकना पड़े उतने दिनों तक भवन में निशुल्क रुकने की व्यवस्था है। इसके अलावा जैन जागृति योजना के माध्यम से जैन समाज की घटती जनसंख्या व सिकुड़ते परिवारों पर चिंतन कर तीसरे बच्चे के जन्म हेतु प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाती है । इस योजना को गोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट द्वारा, विशेष रूप से इसको अधिकाधिक प्रचारित प्रसारित कर सार्थक बनाने में श्री कुमारपालजी सिसोदिया का अथक प्रयास रहा है। उनके नेतृत्व में यह अभिनव अभियान व प्रयास जैन समाज के भविष्य के लिए एक वरदान साबित होगा, ऐसा हमारा मानना है। ऐसे ट्रस्ट एवं ट्रस्ट के निष्ठावान, निःस्वार्थ, सेवाभावी कर्मठ कार्यकर्ता अतुलनीय हैं, देशभर में सहज ही अन्यत्र ऐसे उदाहरण मिलना कठिन है।

हम सभी सहयोगी भवन ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं आयोजन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं तथा आशा करते हैं कि ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्यों में अग्रसर रहेगा।

अनुमोदनकर्ता

- धर्मीचंद विजयचंद बोहरा, झूंठा रायपुर
- आरती नितेश चौपड़ा, फालना
- सुकनराज तरूणकुमार संचेती, पांचेटिया
- फतेहराज सोहनमल कानूंगा, जालोर
- सी. भबूतमल जैन एंड सन्स, मेलावास
- डॉ अरिहंत दीप्ति भंडारी, जोधपुर
- मंजुलादेवी चंपालाल चुत्तर, शिवगंज
- मिश्रीमल अजीतकुमार कटारिया, निम्बली
- किशनलाल अभयकुमार खाबिया, चेन्नई
- घीसीबाई पुखराज मांडोत, बांसिया
- मांगीलाल सुशीलाबाई बलदोटा, बिठोड़ा कंला
- जसवंतराज निलेशकुमार छाजेड़, पाली
- माणिकचन्द कमलेश खांटेड़, खिंवाड़ा
- चैनाकंवर, भीकमचन्द पगारिया, बालाघाट

साध्वीश्री संयमलता का मंगल भावना कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में सप्त दिवसीय जीवनहल्ली प्रवास के दौरान मंगल भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि साधु-संत का आगमन जीवन को हरा-भरा बनाने वाला होता है । कर्मों को हल्का करने का अवसर मिलता है। जीवन व धर्मसंघ के संस्कारों, परम्पराओं एवं सिद्धान्तों को समझने का मौका मिलता है।जीवनहल्ली में अनायास ही सप्तदीवसीय प्रवास में 24 तीर्थकर की जीवनी एवं 12, व्रतों आदि की कार्यशाला हमारे लिए विशेष लाभकारी रही।

साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि श्रावक-श्राविकाओं ने अवसर का अच्छा लाभ उठाकर दोनों समय प्रवचन एवं दोपहर में धर्मचर्चा कर अपने ज्ञान को बढाया। ऐसे ही श्रावकों में सेवा संस्कार बढ़ते रहें, यही कामना। जितेश मुथा ने कहा कि साध्वियों का यह प्रवास बहुत ही प्रेरणास्पद व ज्ञानवर्धक था, उन्होंने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अशोक कोठारी ने कहा कि ऐसा प्रवास पहली बार जीवनहल्ली में हुआ जो बच्चों में भी जागृति का संदेश लाया है, अनेक प्रतियोगिताओ से ज्ञानवर्धन हुआ। महावीर मुथा ने सभी को धन्यवाद दिया।

कर्नाटक को 11 महीनों में 4.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिला : मंत्री पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मध्यम एवं बड़े उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य ने फरवरी 2025 में आयोजित अपने वैश्विक निवेशक सम्मेलन के 11 महीने के भीतर 4.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल कर लिया है। यह निवेशक सम्मेलन में हासिल की गई 10.27 लाख करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं का 46 प्रतिशत है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच में अपनी भागीदारी से पहले पाटिल ने कहा कि त्वरित मंजूरी एवं पूरी तरह से डिजिटल एकल-खिड़की प्रणाली के कारण राज्य में निवेश प्रतिबद्धताओं को जमीनी परियोजनाओं में तेजी से परिवर्तित किया गया है। पाटिल 19 से 23 जनवरी तक दावोस में रहेंगे।

उन्होंने बताया कि विनिर्माण क्षेत्र में निवेश के लिए किए गए 5.66 लाख करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं में से 3.22 लाख करोड़ रुपये का निवेश पहले ही मिल चुका है जो 58 प्रतिशत की सफलता दर दर्शाता है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 4.25 लाख करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं के मुकाबले 1.41 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है जबकि अवसंरचना विकास क्षेत्र में 45,000 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं में से 8,500 करोड़ रुपये का निवेश मिला है।

पाटिल ने कहा कि राज्य, 30 से अधिक विभागों में 150 से अधिक सेवाओं को एकीकृत करने वाले एक डिजिटल एकल-खिड़की मंच के माध्यम से भूमि आवंटन, वैधानिक अनुमोदन एवं आवेदन प्रसंस्करण को सुव्यवस्थित करके समझौता ज्ञापन के चरण से आगे बढ़ गया है।

मंत्री ने कहा, हम केवल समझौता ज्ञापन के चरण तक ही नहीं रुके हैं। निवेश प्रस्ताव जमा होने के बाद, आवेदन प्रक्रिया, भूमि आवंटन, वैधानिक मंजूरी और अनुमोदन जैसी प्रक्रियाओं को पूरी तरह से डिजिटल एकल-खिड़की प्रणाली के माध्यम से सुगम बनाया जा रहा है। इस व्यवस्था के तहत 30 से अधिक विभागों की 150 से अधिक सेवाओं को एकीकृत किया गया है।

उन्होंने कहा, इसके परिणामस्वरूप, विनिर्माण, सेमीकंडक्टर और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश का निरंतर प्रवाह देखा जा रहा है। मंत्री ने साथ ही बताया कि करीब 50 प्रतिशत निवेश प्रस्ताव और लगभग 60 प्रतिशत विनिर्माण प्रस्ताव कर्नाटक उद्योग मित्र के माध्यम से प्रस्तुत किए गए हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा 'कर सुधारों' पर भेजे सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन बेंगलूरु चैप्टर की ओर से कर सुधारों और एमएसएमई उद्योग प्रोत्साहन के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के वित्त विभाग को कर सुधारों के प्रस्ताव भेजे गए। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि संस्था उद्यमियों, पेशेवरों और विचारकों के एक जीवंत समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है जो भारत की आर्थिक प्रगति के लिए समर्पित है।

महामंत्री प्रशांत सिंघी ने कहा कि व्यवसायी वर्ग से प्राप्त सुझावों को उनके हितों की रक्षा हेतु एक दस्तावेज के रूप में केन्द्र एवं राज्य सरकार के वित्त मंत्रालयों को भेजे गए हैं।चेयरमैन बाबूभाई मेहता ने कहा कि हमें विश्वास है कि ये सुधार राष्ट्र की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। सम्पूर्ण टैक्स सुझाव कार्यक्रम के संयोजक रूपचंद कुमट, ललित धारीवाल ने विभिन्न व्यापारियों से सलाह मशिवरा कर इन सुझावों को तैयार किया है। इस टैक्स सुधार सुझाव कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में नीरज बंसल ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की।

जल्लीकट्टू

तमिलनाडु के पोंगल फसल उत्सव के जश्न के बीच मट्टू पोंगल पर होने वाले पारंपरिक सांडों को काबू करने वाले खेल जल्लीकट्टू के दौरान प्रतिभागी एक सांड को काबू करने की कोशिश करते हुए।

छात्रा पूर्वी ने नेशनल पूमसे चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा संचालित मनवरतपेट स्थित आदर्श स्कूल की कक्षा छठी में अध्ययनरत छात्रा पूर्वी ने नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित सब-जूनियर गर्ल्स नेशनल पूमसे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। ज्ञातव्य है कि पूर्वी की मां वसंती परिहार आदर्श स्कूल में ही शिक्षिका हैं। पूर्वी की इस उपलब्धि पर न सिर्फ आदर्श इंस्टीट्यूशन्स को गर्व है बल्कि इस उपलब्धि पर इंस्टीट्यूशन के पदाधिकारियों एवं शिक्षकगण ने बधाई दी है। यह जानकारी स्कूल की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने दी।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बिलवार में आतंकवाद-रोधी अभियानों के तहत इन ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया और इस दौरान आतंकवादियों के साथ दो मुठभेड़ें हुईं, हालांकि वे (आतंकवादी) अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बिलवार के कमाद नाला, कालाबन और धनु पारोल के वन क्षेत्रों में राष्ट्रविरोधी तत्वों की गतिविधियों के संबंध में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने आतंकवादियों के खात्मे के लिए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षाकर्मियों ने भी जवाबी गोलीबारी की और यह सिलसिला रात भर जारी रहा। पुलिस ने बताया कि बुधवार को किए गए तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाना मिला, जहां से एम-4 के दो खाली कारतूस, देसी घी से भरा एक प्लास्टिक का डिब्बा, बादाम का पॉलीथीन पैकेट, दस्ताने, एक टोपी, कंबल, तिरपाल की चादर, एक छोटा पाउच और एक पॉलीथीन बैग बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को जारी तलाशी अभियान के दौरान, बिलवार के कालीखाद और कालाबन क्षेत्रों में संयुक्त टीमों द्वारा दो और आतंकवादी ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया।

गुवाहाटी में शुक्रवार को बागुरुम्बा पारंपरिक कपड़ों में डांसर, बोडो समुदाय के 'बटरफ्लाई डांस' के अब तक के सबसे बड़े परफॉर्मेंस के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश के लिए सरुसजाई स्टेडियम में रिहर्सल करते हुए।

गणतंत्र दिवस परेड में वंदे मातरम के 150 साल का मनाया जाएगा जश्न, नदियों के नाम पर होंगी दीर्घाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि परेड के लिए कर्तव्य पथ पर बनाई गई दीर्घाओं का नाम नदियों के नाम पर रखा जाएगा और इनमें पुराने चित्र लगाए जाएंगे, जिन पर राष्ट्रीय गीत की शुरुआती पंक्तियां अंकित होंगी। उन्होंने बताया कि मुख्य मंच पर फूलों से बनाई गई कलाकृतियों के जरिये 'वंदे मातरम' के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, परेड स्थल पर बनाई गई दीर्घाओं को इंगित करने के लिए इस बार पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले 'वीवीआईपी' सहित अन्य शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाएगा, बल्कि इनका नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा जाएगा।

रक्षा सचिव आर.के. सिंह ने 'साउथ ब्लॉक' में आयोजित एक प्रेस वार्ता में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के जश्न की व्यापक रूपरेखा साझा की, जिसमें इस बार कई चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। अधिकारियों के अनुसार, इस बार गणतंत्र दिवस समारोह की थीम 'वंदे मातरम के 150 साल' रखी गई है और परेड में इसका जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि निमंत्रण कार्ड पर राष्ट्र गीत की 150वीं वर्षगांठ का लोगो होगा और परेड के अंत में 'वंदे मातरम' की थीम वाले बैनर के साथ गुब्बारे हवा में छोड़े जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, 19 से 26 जनवरी तक 120 से अधिक शहरों में लगभग 235 जगहों पर सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की ओर से 'वंदे मातरम' की थीम पर आधारित बैंड प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में कर्तव्य पथ पर बनाई गई दीर्घाओं में तेजेंद्र कुमार मित्रा के बनाए चित्र लगाए जाएंगे, जिन पर 'वंदे मातरम' की शुरुआती पंक्तियां लिखी होंगी।

संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, ये चित्र 1923 में प्रकाशित किए गए थे।

रस्म

प्रयागराज में 'माघ मेला 2026' में 'पट्टा अभिषेक' रस्म के दौरान किन्नर अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी।

राज्य हित में प्रधानमंत्री मोदी से जितनी बार मिलना पड़े मिलूंगा : तेलंगाना मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जितनी बार भी मिलना पड़े वो मिलेंगे। निर्मल जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री से आदिलाबाद जिले के लिए हवाई अड्डा मंजूर करने का अनुरोध करेंगे ताकि संपर्क सुविधाओं में सुधार हो सके। उन्होंने कहा, कई लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं नरेन्द्र मोदी से अक्सर क्यों मिलता हूं। वे मेरे रिश्तेदार नहीं हैं, और हमारा कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है, लेकिन वे देश के प्रधानमंत्री हैं। हवाई अड्डा केवल प्रधानमंत्री की मंजूरी से ही बन सकता है। बड़ी उद्योग संस्थाएं आएंगी और धन आवंटित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य के विकास के लिए किसी से भी मिलने में मैं एक क्षण के लिए भी हिचकिचाऊंगा नहीं। मैं उनसे सिफारिशों के लिए नहीं मिलता। मेरा कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है।

रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गोदावरी नदी पर तुम्मदिहट्टी में एक सिंचाई परियोजना का निर्माण करने की योजना भी बना रही है और इस परियोजना के लिए पड़ोसी महाराष्ट्र के सहयोग की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समर्थन से महाराष्ट्र प्रस्तावित परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करेगा।

विपक्षी बीआरएस पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को सलाह दी कि यदि वे राज्य सरकार को रचनात्मक सलाह नहीं दे सकते हैं तो उन्हें गुमराह करने वाले बयान देने से बचना चाहिए।

रेड्डी ने मतदाताओं से आगामी नगरपालिका चुनावों में सक्षम उम्मीदवारों को चुनने की अपील भी की, जो सरकार के साथ मिलकर काम कर सकें। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना में कांग्रेस 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी।

निकाय चुनाव में जनता ने महायुति को मत दिया क्योंकि वह विकास और ईमानदारी चाहती है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित 29 महानगरपालिकाओं के चुनावों में लोगों ने भाजपा नीत 'महायुति' को वोट दिया क्योंकि वे ईमानदारी और विकास चाहते हैं।

फडणवीस ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव में जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 'महायुति' बीएमसी सहित 29 महानगरपालिकाओं में से 25 में सत्ता हासिल करने की ओर अग्रसर है। महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिकाओं के लिए बृहस्पतिवार को मतदान कराया गया और परिणाम शुक्रवार को घोषित किए जा रहे हैं।

अब तक आए रुझानों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पुणे, पिंपरी चिंचवड, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर सहित कई शहरों में शानदार प्रदर्शन किया है, जबकि वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी पर उद्धव ठाकरे नीत पार्टी के वर्चस्व को समाप्त करने की ओर अग्रसर है। फडणवीस ने कहा, भाजपा ने विकास का एजेंडा पेश किया। हमने इसे जनता के सामने रखा और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। हमें कई महानगरपालिकाओं में रिकॉर्ड तोड़ जनादेश मिला है और यह इस बात को रेखांकित करता है कि लोग ईमानदारी और विकास चाहते हैं। इसीलिए लोगों ने भाजपा को वोट दिया। उन्होंने कहा कि 'महायुति' ने महानगरपालिका चुनावों में सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फडणवीस ने कहा, यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा अपनाई गई नीतियों में महाराष्ट्र की जनता के भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने इस जीत के जश्न के बीच शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे को भी याद किया। उन्होंने कहा, बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से महायुति को जीत हासिल करने में मदद मिली।

पंजाब में आप सरकार मीडिया की आवाज दबा रही; इसकी उलटी गिनती शुरू हो गई है: भाजपा सांसद स्वराज

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने एक समाचार पत्र समूह के उस दावे को लेकर पंजाब सरकार की शुक्रवार को आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बारे में एक खबर प्रकाशित करने के बाद छापेमारी के जरिये उसे निशाना बनाया जा रहा है।

भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, स्वराज ने आम आदमी पार्टी नीत पंजाब सरकार पर मीडिया की आवाज दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि उसके गिने-चुने दिन रह गए हैं।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए 'सबसे महत्वपूर्ण समझौता' साबित होगा : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 'सबसे महत्वपूर्ण समझौता' साबित होगा।

इसके साथ ही गोयल ने कहा कि यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ दोनों के लिए अच्छा और पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित होगा। उन्होंने भारत-ईयू एफटीए के बारे में यहां संवाददाताओं से कहा, यह व्यापार समझौते में सबसे महत्वपूर्ण समझौता होगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार काफी हद तक संतुलित है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यात क्षेत्रों के लिए भी यह एक 'सुपर' समझौता होगा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित एफटीए पर बातचीत पूरी करने के 'बेहद करीब' हैं।

अग्रवाल ने कहा था कि शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए चर्चा जारी है ताकि इस महीने के अंत में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के दौरान इस समझौते की घोषणा की जा सके।

वर्ष 2014 से अब तक सात देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

जश्न

महाराष्ट्र के नवी मुंबई के कोपर खैराने में, नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में पार्टी कैंडिडेट की जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

बीएमसी चुनाव में मिटने वाली स्याही का उपयोग वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों पर चिंता जताई जिनमें दावा किया गया था कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगली पर मिटने वाली स्याही लगाई गई थी। उन्होंने इसे वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला 'अध्याय' बताया।

सिद्दरामय्या ने कहा कि लोकतंत्र तभी कायम रह सकता है जब हर वोट की शुचिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि चुनावी सुरक्षा उपायों की विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव नौ साल बाद बृहस्पतिवार को हुए और मतगणना शुक्रवार को की जा रही है। नतीजों और रुझानों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करती नजर आ रही है। सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर मीडिया में आई खबरें और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि तथाकथित अमिट स्याही को सैनिटाइजर, एसीटोन और अन्य पदार्थों से आसानी से मिटाया जा रहा है, जिससे चुनावी विश्वसनीयता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं और ये चिंताएं महाराष्ट्र और उससे बाहर भी गूंज रही हैं।

उन्होंने कहा, यह कोई एकाकी गड़बड़ी नहीं है, बल्कि 'वोट चोरी' की व्यापक कहानी का एक और परेशान करने वाला अध्याय है, जहां वास्तविक सवालों का खंडन, टालमटोल या चुप्पी से जवाब दिया जाता है। लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास कम होता जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बुनियादी सुरक्षा उपायों को कमजोर करना और नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करना लोकतंत्र की रक्षा नहीं करता, बल्कि उसे नुकसान पहुंचाता है। निर्वाचन आयोग को अब पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधारात्मक उपायों के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस अपने शीर्ष नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ देशव्यापी अभियान चला रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और निर्वाचन आयोग को निशाना बना रही है।

भीड़ प्रबंधन के लिए आरसीबी का चिन्नास्वामी में एआई युक्त कैमरे लगाने का प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से आईपीएल मुकाबले छीने जाने से रोकने के लिए स्टेडियम में एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) तकनीक से युक्त 300 से 350 कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है और साथ ही उसने इस भीड़ प्रबंधन पहल के लिए आने वाला अनुमानित चार करोड़ 50 लाख रुपये का पूरा खर्चा उठाने की पेशकश की है। आरसीबी ने यह प्रस्ताव कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को एक आधिकारिक पत्र के जरिए से दिया है।

फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, आरसीबी ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 300 से 350 एआई से लैस कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है। आरसीबी ने इस पहल की अनुमानित 4.50 करोड़ रुपये की पूरी एकमुश्त लागत उठाने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

आरसीबी ने इसमें कहा, यह उन्नत निगरानी तकनीक केएससीए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भीड़ की आवाजाही को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, अनुशासित कतार व्यवस्था सुनिश्चित करने, प्रवेश और निकास की रियल-टाइम ट्रैकिंग के जरिए अनधिकृत प्रवेश की निगरानी करने और कुल मिलाकर प्रशंसकों की सुरक्षा को काफी हद तक बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। पिछले साल आरसीबी के आईपीएल की ट्रॉफी जीतने के बाद हुए समारोह के दौरान स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी क्रिकेट गतिविधियों को रोक दिया गया था।

वहीं राज्य सरकार द्वारा गठित एक कार्य बल स्टेडियम परिसर में चल रहे सुरक्षा उन्नयन कार्य की निगरानी के बाद शनिवार को अपनी रिपोर्ट सौंपने वाला है। जांच में चार जून को हुई भगदड़ के लिए भीड़ प्रबंधन उपायों की कमी को जिम्मेदार ठहराया गया था। एआई संचालित रियल-टाइम कैमरा प्रणाली वीडियो, ऑडियो और टेक्स्ट डेटा पर आधारित है जिससे मैच के दिन तैनात सुरक्षा बलों को अनधिकृत प्रवेश और घुसपैठ का पहले ही पता लगाकर निवारक कदम उठाने में मदद मिलेगी।

अगर स्टेडियम को आईपीएल 2026 के मुकाबलों की मेजबानी के लिए सरकारी एजेंसियों से जरूरी अनुमति नहीं मिलती है तो आरसीबी प्रबंधन अपने घरेलू मैच रायपुर और पुणे में कराने पर विचार कर रहा है। किसी भी स्थल को आईपीएल शुरू होने से कम से कम एक महीने पहले संबंधित अधिकारियों को सौंपना होता है और आईपीएल का आगामी सत्र 26 मार्च से शुरू होने की संभावना है। इससे पहले देश सात फरवरी से टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। लेकिन जरूरी अनापत्ति पत्र (एनओसी) नहीं मिलने के कारण चिन्नास्वामी स्टेडियम को इस वैश्विक टूर्नामेंट का एक भी मैच नहीं मिला है। टूर्नामेंट का फाइनल आठ मार्च को होना है।

विप्रो का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3,119 करोड़ रुपये

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3,119 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट नई श्रम संहिता के लागू होने के कारण 302.8 करोड़ रुपये के एकमुश्त अस्थायी प्रावधान के कारण आई है।

बेंगलूरु स्थित कंपनी का 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 3,353.8 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में विप्रो की परिचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23,555.8 करोड़ रुपये हो गई जबकि गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में यह 22,318.8 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर विप्रो का मुनाफा 3.9 प्रतिशत घटा जबकि राजस्व में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

विप्रो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) श्रीनि पल्लिया ने कहा, तीसरी तिमाही में हमने अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप व्यापक वृद्धि दर्ज की। जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) एक रणनीतिक अनिवार्यता बनता जा रहा है विप्रो इंटेलिजेंस' एक विशिष्ट भूमिका निभा रहा है। इसने इस तिमाही में भी कई सफलताओं में योगदान दिया है। हमने अपने एआई-सक्षम मंचों और समाधानों को अपनाया। 'विंग्स' और 'वेगा' के माध्यम से एआई-आधारित सेवाओं का विस्तार किया और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचार नेटवर्क को बढ़ाया है।

इसकी टीसीएस, इन्फोसिस और एचसीएलटेक जैसी बड़ी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों में भी नए श्रम संहिता के लागू होने का महत्वपूर्ण प्रभाव दिखा है। टीसीएस को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में नए श्रम संहिता के लागू होने से 2,128 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ जबकि इन्फोसिस ने 1,289 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया। एचसीएलटेक ने भी कार्यान्वयन से संबंधित 8.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 719 करोड़ रुपये) के एकमुश्त प्रावधान की जानकारी दी है।

पहियों पर महिलाएं

प्रतिष्ठित स्वास्थ्य और जीवन शैली संगठन प्राणी 'हर्बालाइफ' भारत संगठन शिशु मंदिर संगठन सहयोग में उसका महत्वाकांक्षी 'प्रतिध्वनि पहियों पर महिलाएं योजना' मैसूरु में शुक्रवार से शुरू हुआ। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की महिलाओं को न केवल ई-ऑटो उपलब्ध कराए जाएंगे, बल्कि उन्हें ड्राइविंग, लाइसेंसिंग, रखरखाव, डिजिटल उपकरणों के उपयोग, वित्तीय साक्षरता, आत्मरक्षा और बाजार संपर्क से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। हर्बालाइफ इंडिया के रणनीति एवं कार्यान्वयन उपाध्यक्ष उदय प्रकाश, मैसूरु के कृष्णा राजा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक टी.एस. श्रीवत्स, शिशु मंदिर के निदेशक आनंद सी, मैसूर नगर पुलिस आयुक्त श्रीमती सीमा लटकर (आईपीएस) और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अभियान की शुरुआत की।

राज्यपाल ने मंगलूरु में इंजीनियरिंग स्कूल और विधि स्कूल का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को मंगलूरु स्थित सेंट एलोसियस (मानित विश्वविद्यालय) में इंजीनियरिंग स्कूल और विधि स्कूल का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि छात्रों को जिज्ञासा, कड़ी मेहनत और ईमानदारी को अपना मूलमंत्र बनाना चाहिए और अपने ज्ञान का उपयोग न केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा व्यक्तियों के व्यक्तित्व निर्माण और समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

स्वामी विवेकानंद के शब्दों को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सच्ची शिक्षा वह है जो व्यक्तित्व का निर्माण करती है, मन को सशक्त बनाती है, बुद्धि का विकास करती है और व्यक्ति को अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम बनाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव उद्घाटित विद्यालय इस दृष्टिकोण को साकार करेंगे और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देंगे। राज्यपाल ने उल्लेख किया कि भारत कभी विश्व गुरु के नाम से जाना जाता था, जिसके नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र थे। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय भारत की समृद्ध शैक्षिक विरासत और वैश्विक ज्ञान में योगदान का प्रतीक है। भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक गौरव को पुनर्स्थापित करने और वैश्विक ज्ञान शक्ति के रूप में उभरने के लिए, उन्होंने युवाओं के कौशल, प्रतिभा और ऊर्जा का सदुपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

गहलोत ने प्राचीन भारतीय कहावत विद्या ददाति विनयम (ज्ञान से विनम्रता आती है) का हवाला देते हुए, आज के प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिवेश में कौशल के साथ-साथ मूल्यों और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता के पोषण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कर्नाटक के शैक्षिक परिदृश्य में, विशेष रूप से ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को सशक्त बनाने में, सेंट एलोसियस संस्थानों के योगदान की सराहना की। इंजीनियरिंग विद्यालय और विधि विद्यालय के उद्घाटन को राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि इंजीनियरिंग शिक्षा केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समस्या-समाधान, नवाचार और रचनात्मकता भी शामिल है। उन्होंने डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, हरित ऊर्जा, स्मार्ट सिटी और स्टार्टअप इकोसिस्टम जैसी राष्ट्रीय पहलों को साकार करने में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

विधि विद्यालय के शुभारंभ का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि विधि का अध्ययन केवल कानूनों की व्याख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि न्याय, समानता और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने का एक सशक्त साधन है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान संवैधानिक मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित विधि पेशेवरों को तैयार करेगा, जो न्यायपालिका, प्रशासन, नीति निर्माण और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, प्रो-चांसलर फादर मेल्विन पिंटो, वाइस-चांसलर डॉ. प्रवीण मार्टिस, रजिस्ट्रार डॉ. रोनाल्ड नाज़रेथ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लक्कुंडी गांव में सोने के आभूषण मिलने के बाद खजाने की तलाश शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कर्नाटक के गदग जिले में एक भवन निर्माण के दौरान खुदाई में सोने के सदियों पुराने आभूषण मिलने के बाद राज्य सरकार पूरे लक्कुंडी गांव के निवासियों को दूसरी जगह बसाने पर विचार कर सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लक्कुंडी में खजाने की तलाश में शुक्रवार को राज्य सरकार के खुदाई शुरू करने के बीच, गदग के उपायुक्त सी एन श्रीधर ने कहा कि ग्रामीणों को दूसरी जगह बसाने का निर्णय खुदाई के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा।

श्रीधर ने लक्कुंडी में संवाददाताओं से कहा कि खुदाई के निष्कर्षों के आधार पर ग्रामीणों को दूसरी जगह बसाने का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो निर्णय राज्य सरकार के स्तर पर लिया जाएगा। सरकार ने लक्कुंडी में कोटे वीरभद्रेश्वर मंदिर के परिसर में पूर्ण रूप से खुदाई शुरू करने का निर्णय लिया है। यह परियोजना पर्यटन विभाग, पुरातत्व, संग्रहालय एवं विरासत विभाग, लक्कुंडी धरोहर विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित की जा रही है।

मंदिर परिसर में खुदाई के लिए जेसीबी, ट्रक और ट्रैक्टर लगाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, 10 वर्ग मीटर क्षेत्र को खुदाई के लिए चिह्नित किया गया है और इसे आधिकारिक रूप से खुदाई क्षेत्र घोषित किया गया है। इस काम से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, इस कार्य के लिए 15 महिलाओं और पांच पुरुषों को लगाया गया है।

लक्कुंडी पर चालुक्य, राष्ट्रकूट, होयसल, कलचुरी और विजयनगर शासकों का शासन रहा है और इसका संबंध प्रसिद्ध दानवीर दानचिंतामणि अत्तिमब्बे से भी रहा है। पुरातत्व विभाग के सूत्रों के अनुसार, प्राचीन काल में यह स्थान सोने के सिक्के ढालने का प्रमुख केंद्र भी था। खजाने की तलाश उस वक्त शुरू हुई, जब एक लड़के को तांबे का एक छोटा सा बर्तन मिला, जिसमें सोने के 470 ग्राम वजनी आभूषण थे। बताया जाता है कि ये आभूषण 300 से 400 वर्ष पुराने हैं। लड़के ने यह आभूषण जिला प्रशासन को सौंप दिये, जिसके लिए उसे सम्मानित किया गया।

अधिकारियों का कहना है कि यह क्षेत्र सोने, चांदी, हीरे, मोती, माणिक्य और मूंगे सहित बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध माना जाता है। खुदाई से जुड़े सूत्रों ने कहा, लक्कुंडी ऐतिहासिक रूप से एक समृद्ध केंद्र रहा है और उपलब्ध साक्ष्य संकेत देते हैं कि यहां अब भी भूमिगत अपार भौतिक संपदा हो सकती है। नवंबर 2024 में की गई एक खोज के दौरान लक्कुंडी में हजारों प्राचीन कलाकृतियां मिली थीं। हाल में आभूषणों की खोज से इस स्थल के प्रति रुचि और बढ़ गई है। अधिकारियों के अनुसार, अब भी इलाके के विभिन्न हिस्सों में नीलम, मोती, रत्न, हीरे जैसे कीमती पत्थर मिलने की सूचनाएं प्राप्त होती रहती हैं।

पुरातत्वविदों ने कहा कि यह नयी खुदाई ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे कर्नाटक के मध्यकालीन इतिहास से जुड़े अभिलेख, स्मारक, मूर्तियां और आभूषण मिलने की उम्मीद है।

वीरशैव लिंगायत वैश्विक व्यापार सम्मेलन, 29 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंटरनेशनल लिंगायत यूथ फोरम ने प्रेस क्लब हॉल में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस आयोजित कर घोषणा की कि वीरशैव लिंगायत ग्लोबल बिजनेस कॉन्क्लेव 29 जनवरी से 1 फरवरी तक व्हाइट पेटल्स हॉल, पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय लिंगायत युवा मंच के अध्यक्ष संतोष केंजंबा, न्यासी सतीश मूडी, संस्थापक सदस्य विद्या पटेल, शिवकुमार सरशेट्टी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय महादेव स्वामी और बेंगलूरु शहर के अध्यक्ष प्रताप आराध्या ने भाग लिया।

इस अवसर पर संतोष केंचंबा ने संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानपूर्ण जीवन जीने के लिए संगठित होना आवश्यक है। इसीलिए हमारे ट्रस्ट ने वीरशैव लिंगायत ग्लोबल बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 29 जनवरी को सिद्धगंगा मठ के श्रीसिद्धलिंग महास्वामी द्वारा किया जाएगा। मंत्रिमंडल सचिव एम.बी. पाटिल, ईश्वर खंड्रे, शरणगौड़ा दर्शनपुर और अन्य गणमान्य व्यक्ति इसमें भाग लेंगे।

सम्मेलन में 230 से अधिक स्टॉल होंगे, जिनमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के विभिन्न जिलों से हमारे समुदाय के लोग अपने स्टॉल लगाएंगे। युवा उद्यमियों के लाभ के लिए एक नेटवर्किंग जोन शुरू किया जाएगा, जहां उन्हें औद्योगिक, चिकित्सा, बैंकिंग और आईटीबीटी उद्योगों के बारे में जानकारी मिलेगी। उत्तर कर्नाटक, दक्षिण कर्नाटक और मैसूर के विशेष व्यंजनों को प्रदर्शित करने वाले एक खाद्य उत्सव का आयोजन किया गया है, जिसमें अनुमानित 1 लाख लोगों के भाग लेने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि वीरशैव-लिंगायतों को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मसम्मानित और आत्मनिर्भर होना चाहिए, और सभी को खुला अवसर दिया जाना चाहिए और सभी को भाग लेना चाहिए, उन्होंने सभी से भाग लेने का अनुरोध किया।

'आईटीपीएल मेट्रो स्काईवॉक' का हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहरी आवागमन को बदलने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास के तहत, इंटरनेशनल टेक पार्क बेंगलूरु (आईटीपीबी) ने 'आईटीपीबी मेट्रो स्काईवॉक' का उद्घाटन हुआ। यह पट्टंदूर अग्रहारा मेट्रो स्टेशन (पर्पल लाइन) को सीधे आईटीपीबी और पार्क स्क्वायर मॉल से जोड़ता है।

रोज़ाना आने-जाने वालों का कीमती समय बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया यह स्काईवॉक 55,000 से ज़्यादा प्रोफेशनल्स के लिए मेट्रो सेवाओं, बिज़नेस पार्क और मॉल के बीच आवागमन को आसान बनाता है, साथ ही पर्यावरण के अनुकूल आवागमन को भी बढ़ावा देता है। स्काईवॉक का उद्घाटन कैपिटा लैंड इंडिया ट्रस्ट के सीईओ गौरी शंकर नागभूषणम, बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रोजेक्ट और प्लानिंग डायरेक्टर सुब्रमण्यम गुडगे ने डॉ. जे रविशंकर, आईएएस मैनेजिंग डायरेक्टर, बीएमआरसीएल ने किया। इस मौके पर आईटीपीबी की किरायेदार कंपनियों के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए।

सत्ता में हिस्सेदारी मांगने संबंधी कांग्रेस की मांग में कुछ भी गलत नहीं है : सचिन पायलट

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने तमिलनाडु में सत्ता में हिस्सेदारी संबंधी पार्टी की मांग का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि हर राजनीतिक दल शासन में भूमिका निभाना चाहता है। पायलट का चेन्नई हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त स्वागत किया। पायलट ने मीडिया से कहा, हर राजनीतिक दल प्रतिनिधित्व चाहता है।

जयपुर में शुक्रवार को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज नींदड़ में रामानन्द मिशन द्वारा आयोजित भव्य '1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ' की पूर्णाहुति में सम्मिलित हुए एवं यज्ञ की पावन अग्नि में आहुति अर्पित कर बजरंगबली से समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही, इस अवसर पर जगद्गुरु पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

राष्ट्रपति मुर्मू जयपुर में रामभद्राचार्य की राम कथा में शामिल हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जयपुर आईं और यहां एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने सीकर रोड पर हरमाड़ा इलाके में रामानंद मिशन द्वारा आयोजित 1,008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ की पूर्णाहुति में भाग लिया। आज ही पीठाधीश्वर रामभद्राचार्य द्वारा आठ जनवरी से सुनायी जा रही रामकथा और महायज्ञ का समापन भी हुआ। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया। वे भी राष्ट्रपति के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। लोक भवन के एक प्रवक्ता के अनुसार राष्ट्रपति बाद में जयपुर से रवाना हो गईं।

राजस्थान को टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब बनाने की दिशा में हो रहा कार्य : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख टेक्सटाइल निर्माण एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र में निवेश के लिए राजस्थान टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी-2025 लागू की गई है। इस पॉलिसी में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी शामिल किया गया है। प्राकृतिक एवं कृत्रिम फाइबर उत्पादन को बढ़ाने से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल्स और वस्त्र विनिर्माण, हैंडलूम, ऊन प्रसंस्करण, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर जैसे संबंधित क्षेत्र भी इस नीति का हिस्सा हैं। वस्त्र और परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रूपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव सहित कई अन्य प्रावधान किए गए हैं।

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में 'टेक्सटाइल इन राजस्थान' विषय पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा राजस्थान का टेक्सटाइल हब है। राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पॉलिसी के तहत भीलवाड़ा, बालोतरा, कोटा, पाली, बाड़मेर जिलों के उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने बताया कि राजस्थान में न्यू एज फाइबर की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में मिल्क वीड प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, इस पौधे से प्राप्त फाइबर का उपयोग टेक्सटाइल उद्योग में किया जा सकता है। इस पहल से नए उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। साथ ही, इससे उद्योग में नवाचार को बढ़ावा भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार न्यू एज फाइबर सहित टेक्सटाइल क्षेत्र में अन्य नवाचारों की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार कारीगरों और टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और वित्तीय सहायता दे रही है। इससे इस क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु और मध्यम के साथ ही बड़े उद्योग सशक्त होंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। राजस्थान में टेक्सटाइल सेक्टर में आधुनिक तकनीक और उत्पादन तरीकों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

राजीविका महिलाएं विकास की मुख्यधारा में जुड़कर हो रहीं सतर्क : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। राजस्थान में भी राजीविका के माध्यम से महिलाएं प्रदेश के विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राजीविका की प्रत्येक बहन पारिवारिक आय बढ़ाने में योगदान दे रही है और पूरे परिवार को आत्मनिर्भर बना रही है। शर्मा शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी, ज्ञान की देवी मां सरस्वती और शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना की जाती है। ये तीनों ही रूप हमारी माता-बहनों में समाहित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार आवास से लेकर रसोई गैस सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ महिलाओं को प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में भी आधी आबादी की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजीविका की लगभग 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी है। इनमें से मिलेनियर दीदी भी बन रही हैं। स्वयं सहायता समूहों ने सिद्ध कर दिया है कि महिलाएं बेहतरीन प्रबंधक और उद्यमी हैं। साथ ही, महिलाओं ने ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेने की मजबूरी से भी मुक्ति पाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 51 लाख ग्रामीण परिवारों को 4 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। साथ ही, 32 हजार ग्राम संगठन और 1 हजार से अधिक क्लस्टर लेवल फेडरेशन के माध्यम से राजीविका का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आजीविका संवर्धन के अंतर्गत लगभग 36 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि आजीविका संवर्धन हेतु प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन और गैर-कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए साढ़े 3 हजार से अधिक उत्पादक समूहों का गठन किया गया है। इनके माध्यम से लगभग 3 लाख परिवारों को कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों में जोड़ा गया है। किसान परिवार की महिलाएं पशुपालन भी करती हैं। इसलिए हमारी सरकार पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना में देय राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है। इस योजना में लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को 531 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा मिल रही है। अब तक 2 लाख 26 हजार महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिल चुका है। साथ ही, शिक्षा सेतु योजना के तहत 90 हजार से अधिक महिलाओं व बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया गया है।

बेटियों के यौन शोषण का आरोपी पिता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में अपनी दो बेटियों का यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में शिकायत दर्ज होने के बाद से ही आरोपी कलेक्ट्रेट परिसर में छुपा हुआ था। आरोपी दिहाड़ी मजदूर है। पुलिस ने बताया कि मामले में दोनों पीड़िताओं के बयान दर्ज कर उनकी चिकित्सीय जांच करा ली गई है। पुलिस के अनुसार, कथित शोषण का यह मामला उस वक्त सामने आया जब आरोपी ने अपनी छोटी बेटी (15) के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की ने जब यह बात अपनी बड़ी बहन को बताई, तब यह खुलासा हुआ कि बड़ी बहन का भी पिछले 12 वर्षों से अधिक समय से शोषण किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, बड़ी बेटी के साथ यह कथित शोषण तब शुरू हुआ जब वह महज छह साल की थी। उस दौरान उसके पिता ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और बलात्कार किया, तब से वह लगातार उसका यौन शोषण कर रहा था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने उसे चुप कराने के लिए जान से मारने की धमकी दी थी और चेतावनी दी थी कि वह अपनी मां या किसी अन्य रिश्तेदार को इस बारे में न बताए।

धमकियों से डरी बड़ी बेटी सालों तक खामोश रही, जबकि आरोपी पिता लगभग 12 वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस के अनुसार, बलात्कार की सबसे हालिया घटना सिर्फ एक महीने पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, हाल ही में जब आरोपी ने छोटी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया, तो उसने उसका विरोध किया और बड़ी बहन को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद छोटी बहन ने अपनी बड़ी बहन को इस बारे सब कुछ अपनी मां को बताने के लिए राजी किया। पुलिस के अनुसार, जब लड़कियों की मां को घटना की जानकारी मिली तो उनके और आरोपी व्यक्ति के बीच तीखी बहस हुई और मामला परिवार में फैल गया।

पुलिस के अनुसार, कानूनी कार्रवाई के डर से आरोपी तीन दिन पहले छिप गया था। शिकायत के आधार पर बृहस्पतिवार को पिता के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पिता के खिलाफ धमकी और शारीरिक हमले के जरिये बलात्कार, 12 साल तक लगातार यौन शोषण और अपनी छोटी बेटी के साथ छेड़छाड़ के आरोप हैं। अधिकारी के अनुसार, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं को भी इस मामले में जोड़ा गया है।

राजस्व राज्य मंत्री चौधरी ने घुमंतु परिवारों के विद्यार्थियों को सौंपी स्कूल गणवेश व स्टेशनरी किट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्व राज्यमंत्री विजय सिंह चौधरी ने डीडवाना-कुचामन जिला प्रशासन के नवाचार के अन्तर्गत घुमंतू परिवारों के बच्चों के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए राजकीय विद्यालय, चितावा के विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म एवं स्टेशनरी किट वितरण किया। भारतीय पीजी महाविद्यालय, चितावा में हुए कार्यक्रम में जिला प्रशासन द्वारा भामाशाहों के सहयोग से खरीदी गई स्कूल यूनिफॉर्म, स्वेटर,जूते एवं स्टेशनरी किट का वितरण किया गया।

विजय सिंह चौधरी ने कहा कि जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा को धरातल पर साकार करने के लिए जिले में कई नवाचार किये हैं। इसी क्रम में जिले में घुमंतु परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कार्य सराहनीय है, जिला प्रशासन के इस कार्य से घुमन्तु परिवारों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त कर मुख्यधारा में आने में मदद मिलेगी।

जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर में घुमन्तु परिवारों के बच्चों को राजकीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर सभी संसाधन उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा घुमंतु परिवारों के आवश्यक दस्तावेज बनाने के साथ - साथ उनको आवास एवं कृषि कार्य के लिए भूमि उपलब्ध कराने एवं राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य भी कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म सहित स्टेशनरी किट प्रदान करने वाले भामाशाहों को सहायता उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद दिया।

घुमंतु परिवारों के बच्चों के संवर्धन एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम के संबंध में अतिरिक्त जिला कलक्टर मोहन लाल खटनावलिया ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को 11 गांवों के घुमंतु परिवारों के राजकीय विद्यालयों के 160 विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, सहित स्वेटर, जूते एवं स्टेशनरी किट तथा 18 विद्यार्थियों के आधार कार्ड बना कर वितरित किये गए। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर भामाशाहों के सहयोग से 60 जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल भी वितरित किये गए।

छात्रावास के लिए आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द करना दुर्भाग्यपूर्ण : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न समाजों के वास्ते छात्रावास बनाने के लिए आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द किए जाने की शुक्रवार को आलोचना करते हुए कहा कि यह राज्य की भाजपा सरकार की संकुचित मानसिकता का परिचायक है। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेस सरकार के समय राज्य में विभिन्न समाजों, विशेषकर पिछड़े वर्गों (ओबीसी) और दलित समुदायों के विद्यार्थियों के वास्ते छात्रावास निर्माण हेतु आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और संकुचित मानसिकता का परिचायक है।उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने यह आवंटन इसलिए किए थे ताकि गांव-ढाणी से आने वाले गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चे शहरों में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि शहरों में छात्रावास न होने के कारण इन समाजों के होनहार परन्तु आर्थिक रूप से कमजोर पृष्टभूमि के विद्यार्थी पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। गहलोत ने लिखा,सरकारें तो बदलती रहती हैं परन्तु सत्ता का अहंकार इतना नहीं होना चाहिए कि आप राजनीतिक द्वेष के चलते युवाओं के भविष्य और सामाजिक उत्थान के कार्यों पर ही प्रहार करने लगें। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया है कि वह इन जनहितकारी आवंटनों को तुरंत बहाल करें ताकि सामाजिक न्याय की अवधारणा प्रभावित न हो।

सड़क हादसे में दंपत्ति सहित चार की मौत

जयपुर। राजस्थान में चित्तौड़गढ़-उदयपुर राजमार्ग पर बृहस्पतिवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक दंपत्ति समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार हादसे में दंपत्ति का छह साल का बेटा बच गया। यह हादसा चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर भादसोड़ा इलाके के नरबदिया गांव के पास देर रात लगभग दो बजे हुआ। कार में सवार परिवार उदयपुर में एक शादी समारोह से लौट रहा था।पुलिस ने बताया कि अचानक एक जानवर सामने आ गया जिससे चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और कार पहले डिवाइडर से और फिर सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। मृतको की पहचान रिंकेश नानवानी (40), उनकी पत्नी सुहानी (38), उनकी चाची रजनी (58) और फूफा हीरानंद लालवानी (60) के रूप में हुई है। नानवानी और उनकी पत्नी की सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। बच्चे वैभव को चोटें आई हैं और डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय कार बहुत तेज गति में थी।

राजस्थान में 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बनीं : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में आधी आबादी की भूमिका महत्वपूर्ण है और 'राजीविका' की लगभग 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इनमें से 'मिलेनियर' दीदी भी बन रही हैं। वह यहां राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों ने सिद्ध कर दिया है कि महिलाएं बेहतरीन प्रबंधक और उद्यमी हैं तथा उन्होंने ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेने की मजबूरी से भी मुक्ति पाई है। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 51 लाख ग्रामीण परिवारों को चार लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है तथा 32 हजार ग्राम संगठन और एक हजार से अधिक 'क्लस्टर लेवल फेडरेशन' के माध्यम से राजीविका का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आजीविका संवर्धन के अंतर्गत लगभग 36 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भी राजीविका के माध्यम से महिलाएं विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं तथा हर बहन पारिवारिक आय बढ़ाने में योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'डबल इंजन' सरकार आवास से लेकर रसोई गैस सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ महिलाओं को प्रदान कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय सेनाओं का 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक आतंकी सोच खत्म नहीं होती तब तक शांति के लिए यह प्रयास लगातार जारी रहेगा। सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के इतिहास में साहस व संतुलन के प्रतीक के रूप में याद रखा जाएगा। रक्षा मंत्री, भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में यहां एसएमएस स्टेडियम में आयोजित शौर्य संध्या को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह भी सच है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है क्योंकि जब तक आतंकी सोच खत्म नहीं होती तब तक शांति के लिए हमारा यह प्रयास लगातार चलता रहेगा। मैं राजस्थान की इस वीर धरती से इसकी घोषणा कर रहा हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस (ऑपरेशन सिंदूर) अभियान में भारत ने अपनी सैन्य ताकत ही नहीं दिखाई बल्कि अपने राष्ट्रीय स्वभाव का भी परिचय दिया है।

उन्होंने कहा, आतंकियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह से सोच समझ कर और मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखकर की गई। इसी कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के इतिहास में सिर्फ सैन्य कार्रवाई के रूप में नहीं बल्कि साहस व संतुलन के प्रतीक के रूप में याद रखा जाएगा। सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान

अदम्य साहस व शौर्य का परिचय देने के लिए सेना के जवानों को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने इस बात पर बल दिया कि आतंकवादी कभी सोच भी नहीं सकते थे कि भारतीय सशस्त्र बल उनके खिलाफ इतनी बहादुरी और तेजी से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, हालात मुश्किल थे और दबाव भी था लेकिन हमारे सैनिकों ने जिस संयम, एकता और धैर्य के साथ ऑपरेशन को अंजाम दिया वह अभूतपूर्व और तारीफ के काबिल है।

सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक सिर्फ योद्धा नहीं होता बल्कि एक दार्शनिक व कुशल प्रबंधक होता है क्योंकि सैनिक का जीवन 'सेवा परमो धर्म' पर आधारित है। उन्होंने कहा, भारतीय सेना अपने आप में देश के लिए, नागरिकों के लिए, हमारे युवाओं के लिए कई मायनों में विशाल है। कोई भी जब भारतीय सेना को देखता है तो हमें पूरा भारत दिखाई देता है। भारतीय सेना अपने आप में विविधता में एकता का सजीव उदाहरण है।

रक्षा मंत्री ने कहा, सेना ने भारत की सामाजिक एकता को मजबूत करने में अतुल्य योगदान दिया है।

यही कारण है कि भारतीय सेना एक सैन्य बल नहीं है यह राष्ट्र निर्माण का एक प्रमुख स्तम्भ है। सिंह ने कहा, दूसरे देशों में आम तौर पर सेना का नागरिकों के साथ बहुत ज्यादा वास्ता नहीं है जबकि भारत में सेना नागरिकों के साथ मिलकर काम करती है। जनता, सेना पर अटूट विश्वास करती है। मैं मानता हूं कि यह विश्वास ही सेना की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि जनता व सेना के बीच पारस्परिक विश्वास का बंधन ही हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा के ढांचे की नींव है।

सिंह ने सुधारों के लिए भारतीय सेना द्वारा उठाये गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने दिखाया कि संगठन बड़ा होने के बावजूद भी अगर इच्छा शक्ति है तो सुधारों को तेजी से लागू करने में कोई समस्या नहीं आती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना को दुनिया की सबसे सशक्त सेना बनाने की ओर बढ़ रहे हैं।

श्रीराम का जीवन यह संदेश देता है कि सत्ता सेवा का माध्यम हो तथा निर्णय लोकमंगल से प्रेरित हों : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन यह संदेश देता है कि सत्ता सेवा का माध्यम हो, शक्ति संयम से संचालित हो तथा निर्णय लोकमंगल से प्रेरित हों। शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार आनंदीबेन पटेल आज अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय में आयोजित श्रीराम की 35 फीट ऊंची दिव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह एवं भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा संगोष्ठी कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने कहा, भगवान श्रीराम की यह भव्य प्रतिमा स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण के साथ ही सत्य, धर्म, करुणा और कर्तव्य जैसे मानव जीवन के सर्वोच्च आदर्शों की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम भारत की सांस्कृतिक चेतना के केन्द्र हैं और वे सुशासन, सामाजिक समरसता एवं नैतिक नेतृत्व के कालातीत आदर्श प्रस्तुत करते हैं। पटेल ने कहा, प्रभु श्रीराम का जीवन यह संदेश देता है कि सत्ता सेवा का माध्यम हो, शक्ति संयम से संचालित हो तथा निर्णय लोकमंगल से प्रेरित हों। उन्होंने कहा, आधुनिक विकास की दौड़ में मानवीय मूल्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और श्रीराम के आदर्श हमें यह स्मरण कराते हैं कि वास्तविक विकास नैतिकता एवं करुणा के बिना संभव नहीं है।

रोहिणी आचार्य का अपने भाई तेजस्वी पर तंजः हार की समीक्षा दिखावा न करें, बल्कि आत्ममंथन जरूरी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने शुक्रवार को अपने भाई और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर शुक्रवार को तंज कसा कि विधानसभा चुनाव में मिली हार की समीक्षा केवल औपचारिकता नहीं है, यह बल्कि आत्ममंथन और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया होनी चाहिए।

रोहिणी आचार्य ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सिर्फ दिखावा करने से काम नहीं चलेगा। आत्ममंथन करना और जिम्मेदारी लेना जरूरी है। उन्होंने यह भी लिखा कि समीक्षा तभी सार्थक होगी जब अपने इर्द-गिर्द कब्जा जमाए बैठे चिन्हित गिद्धों को ठिकाने लगाने का साहस दिखाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता सब जानती और समझती है। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार को लेकर तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पार्टी के सांसदों और कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। यह बैठक उनके लगभग एक माह के विदेश दौरे से लौटने के बाद हुई, जिसमें हार के कारणों और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई।

राजद में यह टकराव नया नहीं है। चुनावी हार के बाद रोहिणी आचार्य ने पहले भी तेजस्वी यादव और उनके करीबी नेताओं पर सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि पार्टी और परिवार में उनके साथ अन्याय हुआ है तथा कुछ लोग लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लालू प्रसाद को किडनी देने के बाद चर्चा में आईं रोहिणी लोकसभा चुनाव लालू परिवार की परंपरागत सीट सारण से लड़ी थी और भाजपा के राजीव प्रताप रूडी से हार गई थीं।

आने वाले वर्षों में कोका-कोला के शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल होगा भारत : जॉन मर्फी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोका-कोला के वैश्विक अध्यक्ष एवं मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जॉन मर्फी ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस साल मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा और जल्द ही कंपनी के शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल हो जाएगा।

सीएफओ ने कहा कि 2025 में मौसम संबंधी चुनौतियों के बावजूद भारतीय बाजार की नींव और उपभोक्ता भावना काफी मजबूत है। कोका-कोला भारतीय बाजार को लेकर बेहद सकारात्मक है। जॉन मर्फी ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमारे सामने आई तमाम चुनौतियों के बावजूद मुझे लगता है कि उपभोक्ताओं का बुनियादी रुझान काफी मजबूत है। कुछ बाजार ऐसे हैं जहां स्थिति ऐसी नहीं है, लेकिन आने वाले साल के लिए हमारे पास एक बहुत ही ठोस आधार है। वर्तमान में मात्रा के हिसाब से भारत कोका-कोला का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है।

भारत के शीर्ष तीन में शामिल होने की संभावना पर उन्होंने कहा, भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसमें शीर्ष तीन में पहुंचने के सभी बुनियादी तत्व मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बीते 10-15 वर्षों में बुनियादी ढांचे, बिजली और अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के क्षेत्रों में किए गए निवेश से खपत को बढ़ावा मिला है।

प्रधानमंत्री 17-18 जनवरी को बंगाल, असम के दौरे पर

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 और 18 जनवरी को पश्चिम बंगाल और असम के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान, वह देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, दोनों राज्यों में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे तथा काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के लिए भूमि पूजन करेंगे। पश्चिम बंगाल और असम में इस साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, मोदी शनिवार दोपहर लगभग 12:45 बजे पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे, जहां वह हावड़ा (कोलकाता) और कामाख्या (गुवाहाटी) को जोड़ने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

बयान में कहा गया है कि दोपहर 1:45 बजे प्रधानमंत्री मालदा में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न रेल एवं सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे तथा कई परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें कहा गया है कि मोदी रविवार को दोपहर लगभग तीन बजे हुगली जिले के सिंगूर में लगभग 830 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चार नयी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-एसएमवीटी बेंगलूरु अमृत भारत एक्सप्रेस और अलीपुरद्वार-मुंबई (पनवेल) अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि इन चारों ट्रेन की शुरुआत से लंबी दूरी के किफायती और विश्वसनीय रेल सम्पर्क में सुधार होगा। इसमें कहा गया है कि नयी ट्रेन सेवाएं आम नागरिकों, छात्रों, प्रवासी श्रमिकों और व्यापारियों की आवागमन संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित होंगी तथा अंतर-राज्यीय आर्थिक एवं सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाएंगी। बयान के मुताबिक, मोदी एलएचबी डिब्बों से लैस दो नयी ट्रेन सेवाओं, राधिकापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस और बालुरघाट-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस, को भी हरी झंडी दिखाएंगे।

असम चुनाव में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी भाजपा : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विश्वास जताया है कि मार्च या अप्रैल महीने में होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) फिर से सत्ता हासिल करेगी।

गोमती जिले में उदयपुर स्थित माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर में बृहस्पतिवार को पूजा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान शर्मा ने कहा कि चुनाव की तारीखों की घोषणा फरवरी महीने में हो सकती है। शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो काम किया है और जो शत प्रतिशत वादे पूरे किए है, उससे लगता है कि पार्टी एक बार फिर 126 सदस्यीय असम विधानसभा में शानदार बहुमत से वापसी करेगी। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि भाजपा आगामी चुनाव में विकास और असम की अस्मिता के मुद्दे पर चुनाव लड़गी। उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच सालों में पारदर्शी तरीके से 1.6 युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। शर्मा ने उत्तर पूर्व खासकर, असम में बंग्लादेशी घुसपैठ को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, ''घुसपैठ असम के साथ पूरे उत्तर पूर्व की जटिल समस्या है। जनगणना के बाद अनुमान है कि राज्य में मुस्लिम आबादी असम की कुल आबादी का 40 प्रतिशत हो जाएगी। हम अपने अस्तित्व के लिए लगातार संघर्ष कर रहे है।''

ममता बनर्जी अपराधियों को बचा रही हैं, राजनीतिक करियर के अंत के कगार पर : मुख्तार अब्बास नकवी

प्रयागराज/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह अपराधियों और अराजक तत्वों को बचा रही हैं। साथ ही नकवी ने दावा किया कि बनर्जी का राजनीतिक करियर अब खत्म होने के कगार पर है।

नकवी की इन टिप्पणियों से कुछ दिन पहले, केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी मामले की जांच के सिलसिले में राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख के आवास पर छापे के दौरान कथित तौर पर व्यवधान का सामना करना पड़ा। केंद्रीय जांच एजेंसी का दावा है कि मुख्यमंत्री बनर्जी कार्यालय गईं और जांच से संबंधित ''महत्वपूर्ण'' साक्ष्य अपने साथ ले गईं। इस बारे में नकवी ने कहा, लोगों ने बनर्जी के राजनीतिक करियर के समापन की घंटी बजा दी है। इसी का नतीजा है कि अब तक अपराधियों और अराजक तत्वों को बचाने वाली मुख्यमंत्री अब अपराध और अराजकता के प्रमुखों की दौड़ में शामिल हो गई हैं। नकवी ने यह भी कहा कि इसके बावजूद सभी राजनीतिक दलों, संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव निष्पक्ष, निर्भीक और स्वतंत्र माहौल में हों।

झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर मुर्शिदाबाद में विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। झारखंड में एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों से शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के कई हिस्सों में आम जनजीवन प्रभावित हुआ, क्योंकि आक्रोशित स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक और राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को घंटों तक अवरुद्ध रखा। इससे हजारों यात्री फंस गए और मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित रही। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के साथ झड़प के दौरान भीड़ के कुछ समूहों ने एक 'ट्रैफिक बूथ' में तोड़फोड़ की और एक पुलिस वाहन को नुकसान पहुंचाया, जिससे तनाव बढ़ गया। पथराव में कम से कम 12 लोग घायल हो गए, जिनमें से कई मीडियाकर्मी शामिल हैं।

एक बांग्ला समाचार चैनल की महिला पत्रकार पर उपद्रवी प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर हमला किया। मीडिया संस्थाओं ने इस हमले की कड़ी निंदा की।

मणिपुर के चुराचांदपुर में उग्रवाद रोधी अभियान शुरू किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चुराचांदपुर/इंफाल/भाषा। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में उग्रवाद रोधी अभियान संचालित किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, '' पैरा स्पेशल फोर्सेज' और असम राइफल्स सहित सुरक्षाकर्मियों ने जिले के हेंगलेप इलाके में उग्रवाद रोधी समन्वित अभियान संचालित किया, जिसमें इलाके के उग्रवादी समूहों के संदिग्ध ठिकानों को निशाना बनाया गया।

एक अन्य अधिकारी ने कहा, यह क्षेत्र यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) की उपस्थिति के लिए जाना जाता है। हालांकि यह जानकारी अभी तक नहीं मिली है कि सुरक्षा बलों द्वारा किस समूह को निशाना बनाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, ''यह अभियान उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के जारी प्रयासों के तहत पहाड़ी जिले के वन क्षेत्रों को लक्षित करके संचालित किया गया था। अधिकारी ने बताया, हेलीकॉप्टरों की मदद से सैनिकों को जंगल वाले इलाके में तैनात किया गया। इम्फाल घाटी के मेइती और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी-जो समूहों के बीच मई 2023 से जारी जातीय हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मणिपुर में वर्तमान में राष्ट्रपति शासन लागू है। पिछले साल नौ फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

ओडिशा के अंगुल में संदिग्ध विस्फोटक सामग्री खाने के बाद एक जंगली हाथी की मौत

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के अंगुल जिले में एक नर जंगली हाथी की संदिग्ध विस्फोटक सामग्री खाने के बाद मौत हो गई। एक वन अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संदिग्ध विस्फोटक सामग्री खाने से हाथी के मुंह में गंभीर चोट आई थी। पांच साल के इस हाथी को पहली बार 13 जनवरी को अंगुल जिले के बंतला वन क्षेत्र में देखा गया था। अंगुल के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) नीतीश कुमार ने बताया कि यह जानवर 51 हाथियों के झुंड के साथ चल रहा था। उन्होंने बताया कि हालांकि मुंह में गंभीर चोट लगने के कारण कमजोर हो जाने पर यह झुंड से अलग हो गया। उन्होंने बताया कि हाथी की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद 15 जनवरी को पशु चिकित्सकों की समर्पित टीम ने उसका इलाज शुरू किया। कुमार ने बताया कि इसके बाद इलाज के लिए उसे कपिलाश हाथी बचाव केंद्र ले जाया जा रहा था। हालांकि, बचाव केंद्र ले जाते समय ही उसकी मौत हो गई। डीएफओ ने बताया कि संदेह है कि कुछ बदमाशों ने कोई देशी बम या विस्फोटक पदार्थ रखा था, जिसे खाने से हाथी घायल हो गया।

कोयला घोटाले की जांच से ईडी को रोकने पर ममता बनर्जी की भाजपा ने आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोयला घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को रोकने के प्रयास को लेकर तीखा हमला किया।

पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री प्रसाद ने यहां प्रेसवार्ता में उच्चतम न्यायालय में सॉलिसिटर जनरल द्वारा दी गई इस दलील का हवाला दिया कि ईडी राजनीतिक परामर्श देने वाली कंपनी 'आई-पैक (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी)' की कथित भूमिका की जांच कर रही है। प्रसाद ने दावा किया, पश्चिम बंगाल में कोयले की तस्करी धड़ल्ले से हो रही है और उससे कमाया गया पैसा हवाला के जरिए इधर-उधर किया जाता है। यह कोयला घोटाला करीब 3,000 करोड़ रुपए का है। ऐसे गंभीर मामले की गहन जांच होनी चाहिए थी, लेकिन ममता बनर्जी ने उसे कुचलने की कोशिश की। ईडी ने आरोप लगाया है कि कथित कोयला चोरी घोटाले की जांच के सिलसिले में आठ जनवरी को कोलकाता में 'आई-पैक' कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के परिसर पर छापे और तलाशी अभियान के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार, यहां तक कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से भी हस्तक्षेप किया गया एवं बाधा डाली गई।

प्रसाद ने कहा, देश ने इससे पहले ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा। एक निर्वाचित मुख्यमंत्री वहां पहुंचीं, जहां ईडी की छापेमारी चल रही थी और वह कागजात से भरी फाइल छीनकर बाहर निकल गईं। उन्होंने दावा किया कि कोलकाता के पुलिस आयुक्त और पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को कानून के मुताबिक ड्यूटी करने के बजाय मुख्यमंत्री के निर्देशों पर काम करने को लेकर बर्खास्त किया जाना चाहिए।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय रांची में 150 एकड में परिसर स्थापित करेगा

रांची/भाषा। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को यहां घोषणा की कि वह यहां अपना तीसरा एवं सबसे बड़ा परिसर स्थापित करेगा जो 150 एकड़ में फैला होगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, नए रांची परिसर में शैक्षणिक गतिविधियां जुलाई से शुरू होंगी। शुरुआत में यहां दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम और तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के रांची परिसर के कुलपति (नामित) जुल्फिकार हैदर ने कहा, जुलाई से परिसर की शुरुआत दो स्नातकोत्तर (एमए) कार्यक्रम के साथ होगी, जिसमें प्रायोगिक अर्थशास्त्र में परास्नातक और विकास में परास्नातक शामिल है। इसके अलावा, स्थानीय विकास, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और शैक्षिक मूल्यांकन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ-साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में कई अल्पकालिक प्रमाण पत्र कार्यक्रम भी कराए जाएंगे। इस परिसर की स्थापना का उद्देश्य पूर्वी भारत में विश्वविद्यालय की उपस्थिति का और विस्तार करना है तथा संदर्भ आधारित समाजिक भागीदारी वाली उच्च शिक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूती देना है। हैदर ने कहा, रांची परिसर इस क्षेत्र की सामाजिक और विकास आवश्यकताओं से निकटता से जुड़ा होगा और ज्ञान एवं मानव संसाधन निर्माण में योगदान देगा।

ओडिशा : ईडी ने रेत और पत्थर के अवैध खनन के मामले में छापेमारी की

भुवनेश्वर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेत और काले पत्थर जैसे गौण खनिजों के अवैध खनन से जुड़े धनशोधन के मामले में शुक्रवार को ओडिशा के गंजाम जिले में 20 से अधिक स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ''माफिया'' और उनके व्यापारिक साझेदारों की परिसंपत्तियों की तलाशी ली जा रही है।

उन्होंने बताया कि अब तक दो करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की नकदी से भरी एक अलमारी, महंगी गाड़ियां और अचल संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

एक अधिकारी ने बताया, ''छापेमारी की कार्रवाई अब भी जारी है। जब्त की गई नकदी का सटीक मूल्य और अन्य विवरण अभियान पूरा होने के बाद जारी किए जाएंगे।''

बैडमिंटन युगल के स्तर में सुधार करने पर ध्यान देना जरूरी : विमल कुमार

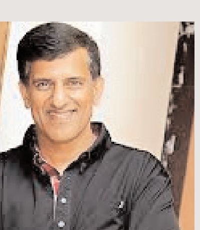

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टीम के पूर्व कोच विमल कुमार ने गुरुवार को यहां कहा कि भारत को युगल खिलाड़ियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है और इसके लिए उसे बैडमिंटन के प्रमुख देशों के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला और टेस्ट मैच आयोजित करने चाहिए।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ जोड़ियों में से एक है, लेकिन कुमार ने कहा कि अन्य खिलाड़ियों का स्तर काफी खराब है जो चिंता का विषय है।

द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित कुमार ने पीटीआई से कहा, '''हमें युगल के स्तर को सुधारने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल में देश का स्तर चिंता का विषय है। तनीशा और ध्रुव कपिला अभी शीर्ष जोड़ियों के स्तर तक नहीं पहुंचे हैं, इसलिए हमें इन जोड़ियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए।'' प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी के सह-संस्थापक और मुख्य कोच कुमार ने कहा, ''हमें मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। उनकी अंडर-21 टीमों के साथ हमें टेस्ट मैच खेलने चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''हम इन पड़ोसी देशों के साथ एक सर्किट बना सकते हैं और इसे तीन या चार शहरों में आयोजित कर सकते हैं। जब आप टीम प्रतियोगिताओं में खेलते हैं तो दबाव अलग होता है और युवा खिलाड़ी अपने आप बेहतर प्रदर्शन करते हैं।''

पीवी सिंधू, साइना नेहवाल और लक्ष्य सेन को कोचिंग दे चुके 63 वर्षीय कुमार ने भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) से इस पर पहल करने का आग्रह किया और एक व्यावहारिक मॉडल के रूप में द्विपक्षीय या त्रिकोणीय श्रृंखला का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, ''भारत और इंडोनेशिया के बीच टेस्ट मैच कराएं या एक और देश को शामिल करके इसे त्रिकोणीय श्रृंखला बना दें। इसमें प्रत्येक टीम में केवल 10 खिलाड़ी होंगे। इससे सभी को फायदा होगा। हमें यह पहल करनी चाहिए।''

समझ नहीं पा रही हूं कि यहां विश्व चैंपियनशिप कैसे हो सकती है : ब्लिचफेल्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर यहां चल रहे इंडिया ओपन में मौजूद हालात को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए इन्हें 'अस्वीकार्य' और 'बहुत ही गैर पेशेवर' बताया और कहा कि 'यहां विश्व चैंपियनशिप आयोजित होना बहुत मुश्किल लगता है।'

विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज ब्लिचफेल्ट ने सुपर 750 टूर्नामेंट के पहले दिन ही 'स्वास्थ्य के लिए खराब' परिस्थितियों की आलोचना की थी जो अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए पहली बार इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले सुपर 750 टूर्नामेंट के चरण केडी जाधव इंडोर हॉल में आयोजित किए गए थे। ब्लिचफेल्ट ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''भारत में पिछले कुछ दिन बेहद कठिन रहे हैं, मैंने जो उम्मीद की थी उससे भी ज्यादा मुश्किल। मैंने एक बार फिर खराब हालात के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। लेकिन हमारे आसपास की परिस्थितियां अस्वीकार्य और बेहद ही गैर-पेशेवर हैं।'' डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने कहा, ''हम यहां कोर्ट के अंदर और बाहर अपनी तैयारियों पर फोकस करने और प्रदर्शन करने आए हैं। दुर्भाग्य से इन हालात में सिर्फ मुकाबले पर फोकस करना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल हो जाता है।''

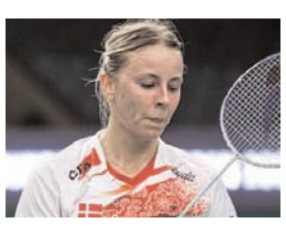

उन्होंने कहा, ''विश्व टूर सुपर 750 टूर्नामेंट में हमें जिन हालातों का सामना करना पड़ रहा है, उनसे हर कोई तनाव में है और परेशान है। पहले तो आप इसे हंसकर टालने की कोशिश करते हैं। लेकिन अंत में, यह न तो मज़ेदार है और न ही खिलाड़ियों या इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सही है।'' ब्लिचफेल्ट की आलोचना के बाद और भी घटनाएं हुईं जैसे स्टैंड में एक बंदर का दिखना, पक्षियों की बीट की वजह से खेल में रुकावट पड़ना और खिलाड़ियों की तरफ से बहुत अधिक प्रदूषण की शिकायतें। ब्लिचफेल्ट इंडिया ओपन के दूसरे ही दौर में बाहर हो गईं, उन्होंने लिखा, ''मुझे खुशी है कि इस मुद्दे पर आखिरकार ध्यान दिया जा रहा है। और मैं सच में उम्मीद करती हूं कि अगर हमें भारत में प्रतियोगिता खेलना जारी रखना है तो भविष्य में हम खिलाड़ियों के लिए बेहतर हालात होंगे।'' उन्होंने लिखा, ''दुख की बात है कि मौजूदा हालात को देखते हुए मैं समझ नहीं पा रही हूं कि यहां विश्व चैंपियनशिप कैसे हो सकती है।''

सुविचार

बोलचाल एक इंसान का गहना है आकार, उम्र और परिस्थितियों के साथ बदलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगों की चाल को नाकाम करें

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित कर साइबर अपराध के इस तरीके के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार और बैंकों द्वारा कई बार नागरिकों को सूचित किया जा चुका है कि डिजिटल अरेस्ट एक झूठ है। अगर कोई व्यक्ति या संगठन इसके नाम पर धमकाने की कोशिश करे तो उसकी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। इसके बावजूद लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। हाल में दिल्ली में एक बुजुर्ग दंपति को डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ रुपए की ठगी की गई। यह नए साल में साइबर अपराधियों द्वारा ठगी गई सबसे बड़ी रकम है। दोनों पीड़ित डॉक्टर हैं, वर्षों अमेरिका में रहे हैं, यूएन में नौकरी कर चुके हैं। साइबर अपराधियों ने उनकी ज़िंदगीभर की बचत ठग ली। इतने उच्च शिक्षित और जीवन का लंबा अनुभव रखने वाले लोग इतनी आसानी से साइबर ठगों के जाल में कैसे फंस गए? अखबारों, टीवी चैनलों, सोशल मीडिया पर ऐसे मुद्दे बहुत चर्चा में हैं। अगर उन्होंने खबरें पढ़ने के लिए थोड़ा समय निकाला होता तो इस नुकसान से बच जाते। साल 2023 से अब तक डिजिटल अरेस्ट के मामलों की बाढ़-सी आ गई है। साइबर अपराधी नकली पुलिस अधिकारी और जज बनकर मोबाइल फोन पर प्रकट होते हैं। उसके बाद धमकाने का सिलसिला शुरू होता है। हमारे देश में आम लोग पुलिस थानों और अदालतों से डरते हैं। इस डर का फायदा साइबर ठग उठा रहे हैं। थानों और अदालतों को देखकर लोगों के मन में सुरक्षा की भावना पैदा होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। यह कहीं-न-कहीं व्यवस्था की कमी को दर्शाता है।

कई उच्च शिक्षित और जीवन का लंबा अनुभव रखने वाले लोगों को लगता है कि उन्हें सबकुछ पता है। वे अति-आत्मविश्वास के कारण साइबर ठगों के जाल में फंस जाते हैं। पिछले दिनों पंजाब के एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी, जो अपने जमाने में बहुत तेज-तर्रार माने जाते थे, को साइबर ठगों ने 8 करोड़ का चूना लगा दिया। मुंबई के एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ने 1.35 करोड़ रुपए गंवा दिए। ये दोनों मामले फर्जी निवेश योजनाओं के थे। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक सेवानिवृत्त सैनिक से साइबर अपराधियों ने 98 लाख रुपए ठग लिए। उन्हें 15 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। चंडीगढ़ में एक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 52 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ितों को पुलिस, सीबीआई, ईडी और विभिन्न जांच एजेंसियों का डर दिखाकर जेल में डालने की धमकी दी गई थी। सबको मालूम होना चाहिए कि हमारे देश में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। सोचिए, अगर किसी ने इतना गंभीर अपराध किया है कि पुलिस, सीबीआई, ईडी और कई एजेंसियों को उसकी तलाश है, तो क्या उसे सिर्फ डिजिटल अरेस्ट किया जाएगा? ऐसे खतरनाक अपराधी की भनक लगते ही एजेंसियां घर में घुसकर उसे गिरफ्तार करती हैं। एक और चौंकाने वाली बात यह है कि कई साइबर ठगों के पास लोगों का डेटा होता है। वे उसके आधार पर ठगी की साजिश रचते हैं। उन्हें पता है कि बीस-पच्चीस साल के युवाओं के पास ज्यादा रुपए नहीं होते, इसलिए ऐसे आयु वर्ग को निशाना बनाते हैं, जिसके पास अच्छी-खासी बचत होती है। सेवानिवृत्त लोग या तो डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अपनी कमाई गंवा देते हैं या वे निवेश योजना के नाम पर झांसे में आते हैं। साइबर ठग हर साल कोई नया तरीका ढूंढ़ते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति को यह बिंदु जरूर ध्यान में रखना चाहिए। जब 'डिजिटल अरेस्ट' पुराना हो जाएगा तो साइबर ठग कोई नया शिगूफा छोड़ेंगे। उनकी चाल को तकनीकी उपायों के जरिए पहले ही नाकाम कर देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आदि शंकराचार्य जी ने सनातन संस्कृति को वैचारिक व तार्किक आधार देकर और अधिक व्यापक बनाया। चार मठों की स्थापना के माध्यम से उन्होंने ऐसी परंपरा विकसित की, जिससे युगों तक सनातन धर्म संरक्षित व संवर्धित रहे।

-अमित शाह

जोधपुर ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर में आयोजित जोधपुर हैंडीक्राफ्ट एक्सपो आर्टिफेक्ट्स के उद्घाटन समारोह में सहभागी बनकर ख़ुशी हुई। हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों से सार्थक संवाद इस अवसर की विशेषता रही। इस क्षेत्र में उभरती संभावनाओं और नवाचारों पर विचार-विमर्श हुआ।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

महाराणा प्रताप के तेज और मीराबाई की अनन्य भक्ति की साक्षी पुण्य धरा राजस्थान में देश की प्रथम नागरिक, परम आदरणीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का जयपुर एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक अभिनंदन और आत्मीय स्वागत किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

फूलों से सीख

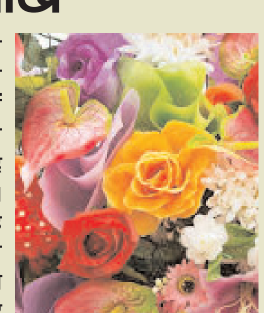

एक बगीचे में तरह-तरह के फूल खिले थे। एक युवक बगीचे के बागबान से प्रतिदिन कुछ फूल लेकर मंदिर में अर्पित करने जाया करता था। एक दिन माली ने पूछा, 'बेटे जानते हो यह फूल एक मौन संवाद हैं।' 'अच्छा! मगर कैसे?' युवक ने जानना चाहा। 'बेटे यह फूल हमको मौन भाषा में यह बताता है कि हमको अगर देवता के समीप जाना है तो अपना मन सुगन्धित करना होगा। फूल जैसी कोमलता और क्षणभंगुरता को सहज स्वीकार करना होगा। खिलना केवल औरों के लिए मगर शालीन बने रहना हमको फूल ही सिखाते हैं। इस तरह हंसकर जीना और देवत्व पर अर्पित हो जाना सीख लिया तो देवता पर फूल चढ़ाना सार्थक है।'

सामयिक

ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है।

क्या ममता पर होगी बड़ी कार्रवाई?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही में ममता बनर्जी सरकार की कथित दखलंदाजी यदि अदालत में सिद्ध होती है, तो यह तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा कर सकती है। क्योंकि मुख्यमंत्री होने के नाते गिरफ्तारी से कोई संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलती और अगर एऊसाबित कर दे कि फाइल्स जांच से जुड़ी हैं, तो ममता पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी। वी। आनंद बोस इस विषय को पहले ही संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में चिन्हित कर चुके हैं। उनका यह कहना कि 'वे चुप नहीं बैठ सकते, संकेत देता है कि राजभवन इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रश्न मान रहा है। संविधान के तहत राज्यपाल केंद्र का प्रतिनिधि होता है और उसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन का आधार बन सकती है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से केवल सत्ता परिवर्तन या चुनावी संघर्ष की कहानी नहीं रही है। 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद राज्य की राजनीति एक ऐसे दौर में दाख़िल हुई, जहां राज्य सरकार, राज्यपाल, न्यायपालिका और केंद्र सभी के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। इसी कारण ममता बनर्जी के शासनकाल में कई बार ऐसा माहौल बना जब यह प्रश्न राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना कि क्या पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? हालांकि अब तक यह आशंका कभी वास्तविकता में नहीं बदली, लेकिन इसके पीछे की परिस्थितियां और टकराव बंगाल की समकालीन राजनीति को समझने के लिए अहम हैं। फ़िलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सलाहकार आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कड़ी निंदा की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारकर उनकी पार्टी के आंतरिक डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही है। जब ईडी ने कार्यालय पर छापा मारा तो ममता नाराज हो गईं। यह संभवत: पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने ईडी के छापे के विरोध में व्यक्तिगत रूप से किसी सलाहकार निकाय के कार्यालय का दौरा किया है। पार्टी के सांसदों ने दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों को इन आरोपों के खिलाफ विरोध करने का अधिकार होना चाहिए कि जांच तंत्र निष्पक्ष नहीं है; ईडी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी नोटिस जारी किया था, जिन्होंने उन्हें बिना किसी आक्रामकता के ईडी कार्यालय में आने की चुनौती दी थी।रॉबर्ट वाड्रा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है। उन्हें घंटों बैठाया गया; लेकिन उनमें से किसी ने भी आक्रामक तरीके से काम नहीं किया। इस पृष्ठभूमि में, यह ममता ही हैं जो सत्ता में होने के बाद भी मार्च निकालती हैं, जिसे तात्कालिकता की राजनीति कहा जाता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि कांग्रेस पिछले पचास वर्षों में पहले की तरह सत्ता में नहीं आई है; लेकिन वामपंथियों ने कांग्रेस को सत्ता से छीन लिया और ममता ने वाम की सत्ता को चकनाचूर कर दिया। पिछले 15 वर्षों में, कांग्रेस और वाम कमजोर हो गए हैं और उनकी जगह भाजपा ने ले ली है। कांग्रेस अब शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाम मोर्चा पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत, भाजपा 41 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की संख्या 2019 की तुलना में कम थी। हालांकि, उनके 39 प्रतिशत वोट शेयर और 12 सीटें दर्शाती हैं कि उनके पास राज्य में तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प है। ममता को शुरू में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट का समर्थन मिला था, जिसमें 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं।

ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 का चुनाव उसी आत्मविश्वास के साथ लड़ा था, जो तृणमूल कांग्रेस से पीछे रह गया था। पश्चिम बंगाल में 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। पड़ोसी बांग्लादेश की घटनाओं ने पूरे देश को प्रभावित किया। प्रभावित। पश्चिम बंगाल में लगभग 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तृणमूल कांग्रेस की ताकत हैं और भाजपा विरोधी, वामपंथी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा तृणमूल कांग्रेस की ताकत है। सत्ता परिवर्तन तभी संभव है जब मुस्लिम वोट बैंक को झटका लगे या भाजपा के पक्ष में हिंदू वोट का व्यापक ध्रुवीकरण हो। पिछले कुछ वर्षों में, वाम मोर्चे और बाद में ममता बनर्जी सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ पश्चिम बंगाल के बाहर के घुसपैठियों के 24 परगना क्षेत्रों में वितरित आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की घुसपैठ में पाई गई है यह साबित हो चुका है।

हाल ही में शाह ने कहा था कि पश्चिम बंगाल के चारों ओर घेराबंदी की जाएगी ताकि कोई घुसपैठिया अंदर न आ सके। सवाल यह है कि पिछले दस सालों में किसने उनके हाथ बांधे थे। लेकिन शाह घुसपैठियों को रोकने की कोशिश करने के बजाय सीमा पर बाड़ लगाने में ममता को चित्रित करने में अधिक रुचि रखते हैं। मुस्लिम वोटों को मजबूत करने की कोशिश में, ममता वही कदम उठाती दिख रही हैं जिनका वह वामपंथी शासन के दौरान विरोध करती थीं। विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ ने हिंदू मतदाताओं को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखी। हर शुक्रवार को वहां सामूहिक सभा और भारी मात्रा में धन की आमद ने हिंदू मतदाताओं के बीच पुनर्विचार की भावना पैदा की है। दूसरी ओर, ममता मुस्लिम वोटों के विभाजन का शिकार होंगी। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता ने खुद को धर्मनिष्ठ हिंदू के रूप में पेश करने के लिए मंच से चंडी मठ का पाठ किया था। इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वह चुनाव से पहले सिलीगुड़ी में दुर्गा आंगन और महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा करेंगी।

इसलिए आंशिक ध्रुवीकरण की रणनीति ममता बनर्जी द्वारा अपनाई जा रही है। ममता सरकार के दौरान सामने आए राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार के मामले, विपक्ष का दमन, आरजी कार मेडिकल कॉलेज से लेकर संदेशखली तक महिलाओं के शोषण के आरोप, मुस्लिम कट्टरवाद को बढ़ावा देना, बेरोजगारी, पलायन और धीमी ग्रोथ ये सभी मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जा रहे हैं। नतीजतन, भाजपा इस बार उन्हें चुनौती देने के लिए तैयार नजर आ रही है। इसके साथ ही ममता बनर्जी के शासनकाल में राष्ट्रपति शासन की आशंका बार-बार इसलिए उभरती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज सत्ता और विपक्ष के संघर्ष से आगे बढ़कर संवैधानिक संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुकी है। ममता बनर्जी का शासन विवादों, टकरावों और आरोपों से घिरा रहा। फिर भी, ममता बनर्जी को मिला प्रचंड जनादेश मिला। और खास बात यह की इतनी टकराव के बाद भी अभी तक ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में एक बार भी राष्ट्रपति शासन नहीं लगा। हालिया विवाद में भी यही लग रहा कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन सिर्फ एक राजनीतिक आशंका भर है। राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय शायद ही हो पाए।

नजरिया

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

राजेश माहेश्वरी

देश के शहर और ग्रामीण इलाकों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। यूपी के संतकबीरनगर जिले में जनवरी 2026 के शुरुआती 13 दिनों में ही जिले के विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर कुत्तों के हमले के कारण 1050 से अधिक घायल लोग इलाज के लिए पहुंच चुके हैं। बीती 8 जनवरी को राजधानी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-19 में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग पर जानलेवा हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। 14 जनवरी को हरियाणा के करनाल में एक बच्चे पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दिसंबर 2025 में हरियाणा के नूंह जिले के तावडू क्षेत्र में तीन दिनों में ही 58 लोग अवारा कुत्तों के काटने का शिकार हुए। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रतिदिन औसतन 30 से 50 डॉग बाइट के मामले सामने आ रहे हैं। ये घटनाएं देश में कुत्तों के बढ़ते आतंक और प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट भी चिंता जता चुका है।

केंद्रीय मछली पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कुत्ता काटने की समस्या को लेकर बीते साल चार फरवरी को लोकसभा में जानकारी दी थी। उन्होंने डीएमके के अरुण नेहरू के सवाल के जवाब में बताया था कि जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक देश के ग्रामीण इलाकों में कुत्ता काटने की कुल 21 लाख 95 हजार 122 घटनाएं दर्ज की गई थीं। उन्होंने बताया था कि देश के ग्रामीण इलाकों में कुत्तों के काटने से 37 इंसानों की मौत के मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं दूसरे जानवरों के काटने की पांच लाख चार हजार 728 मामले दर्ज किए गए थे। इन जानवरों के काटने से 11 लोगों की मौत होने की जानकारी सरकार ने लोकसभा में दी थी। सरकार ने बताया था कि इस दौरान आवारा कुत्तों ने 15 साल से कम आयु के पांच लाख 19 हजार 704 बच्चों को काटा था।

बीती 13 जनवरी को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को कड़ी चेतावनी दी है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने प्रशासन की निष्क्रियता पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही की वजह से यह समस्या हजार गुना बढ़ चुकी है। कोर्ट के मुताबिक, अगर समय रहते ठोस कदम उठाए जाते, तो हालात इतने गंभीर नहीं होते। जस्टिस नाथ ने कहा कि हर उस मामले में, जहां कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों को चोट लगती है या उनकी जान जाती है, वहां राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जो लोग सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाते हैं, उनकी भूमिका और जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

बीते नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के सामने 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एक एफिडेविट दायर की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनके यहां कितने शेल्टर होम हैं और उन्होंने कितने आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण की है। दिल्ली में 20 जानवरों के लिए 'एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर' हैं। ये 'एनिमल बर्थ कंट्रोल' नियम के तहत बनाए जाते हैं। पिछले छह महीनों में हर सेंटर पर रोज़ाना 15 आवारा कुत्तों की नसबंदी और उनका टीकाकरण हुआ है। महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा ऐसे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर है। पूरे राज्य में 236 ऐसे सेंटर हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के 17 शहरों में ऐसे सेंटर हैं और बिहार में एक भी ऐसा सेंटर नहीं है, लेकिन कुत्तों के लिए 16 जगहों पर व्यवस्था है।

कोर्ट की टिप्पणी यहीं नहीं रुकी। जस्टिस विक्रम नाथ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर किसी को कुत्तों से इतना लगाव है, तो उन्हें अपने घर में रखें। सड़कों पर छोड़कर आम लोगों को डराने या काटने की स्थिति पैदा करना स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने माना कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा यह मसला भावनाओं से नहीं, ठोस नीति और प्रशासनिक कार्रवाई से सुलझाया जाना चाहिए। यह टिप्पणी उस समय आई जब वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी दो पशु-कल्याण ट्रस्टों की ओर से दलीलें रख रही थीं। उन्होंने इस मुद्दे को भावनात्मक बताते हुए कहा कि समाधान मानवीय होना चाहिए। इस पर जस्टिस संदीप मेहता ने टिप्पणी की कि अब तक भावनाएं सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही हैं। जवाब में गुरुस्वामी ने कहा कि वह इंसानों की सुरक्षा को लेकर भी उतनी ही चिंतित हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी साफ किया कि वह लंबी बहस नहीं, बल्कि ठोस आदेश देना चाहती है। जस्टिस नाथ ने कहा कि हर कोई एक ही बात दोहरा रहा है, जबकि अब प्रशासन को जवाबदेह ठहराने की जरूरत है ताकि कोई प्रक्रिया शुरू हो सके। जस्टिस मेहता ने यहां तक कहा कि कोर्टरूम को सार्वजनिक मंच बना दिया गया है, जबकि यह न्यायिक कार्यवाही का स्थान है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने एनिमल बर्थ कंट्रोल यानी एबीसी नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकामी दिखाई है। पीठ ने कहा कि यह समस्या दशकों से चली आ रही है और केंद्र व राज्यों की विफलता के कारण यह कई गुना बढ़ चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने चेताया कि हर उस पुरुष, महिला और बच्चे की मौत के लिए, जिसकी जान कुत्ते के काटने से गई है, जिम्मेदार सरकार पर भारी मुआवजा लगाया जाए। इससे पहले 8 जनवरी की सुनवाई में भी सुप्रीम कोर्ट ने एबीसी नियमों के कमजोर क्रियान्वयन पर चिंता जताई थी और डॉग लवर्स को 'हकीकत से दूर' बताया था।

इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल 7 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए। वहीं, कोर्ट ने सरकारी और सार्वजनिक स्थानों में कुत्तों को प्रवेश न देने के लिए कहा था। सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश का कई लोगों ने विरोध किया था। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि स्कूल, अस्पताल, खेल परिसर, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। और कहा कि यह प्रशासन की उदासीनता और सिस्टम की नाकामी को दर्शाती हैं। इससे लोगों की सुरक्षा, पर्यटन और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी बुरा असर पड़ रहा है। कोर्ट ने कहा कि साल दर साल आवारा कुत्तों की लोगों को काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकारी डेटा के मुताबिक 2023 में देश भर में 30 लाख के करीब ऐसी घटनाएं हुई, और 2024 में क़रीब 37 लाख ऐसी घटनाएं।

बीते नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के सामने 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एक एफिडेविट दायर की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनके यहां कितने शेल्टर होम हैं और उन्होंने कितने आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण की है। दिल्ली में 20 जानवरों के लिए 'एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर' हैं। ये 'एनिमल बर्थ कंट्रोल' नियम के तहत बनाए जाते हैं। पिछले छह महीनों में हर सेंटर पर रोज़ाना 15 आवारा कुत्तों की नसबंदी और उनका टीकाकरण हुआ है। महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा ऐसे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर है। पूरे राज्य में 236 ऐसे सेंटर हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के 17 शहरों में ऐसे सेंटर हैं और बिहार में एक भी ऐसा सेंटर नहीं है, लेकिन कुत्तों के लिए 16 जगहों पर व्यवस्था है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से यह साफ है कि अदालत इस गंभीर सामाजिक समस्या पर केवल बहस नहीं, बल्कि ठोस दिशा-निर्देश देना चाहती है। सड़कों पर बढ़ते कुत्तों के हमले, प्रशासन की सुस्ती और आम लोगों की सुरक्षा, इन सभी पहलुओं को संतुलित करते हुए कोर्ट का अगला आदेश अहम माना जा रहा है। अब यह देखना होगा कि राज्य सरकारें इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेती हैं और जमीनी स्तर पर क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

अमृतसर में शुक्रवार को महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट का नाम बदलने, कथित किसान विरोधी नीतियों और खेती से जुड़े कई दूसरे मुद्दों को लेकर अमृतसर में किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

ट्रंप समर्थक अमेरिकी भी उनकी आर्थिक नीतियों से नाखुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर दूसरी बार काबिज हुए डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही दिनों में मौजूदा कार्यकाल का एक साल पूरा करने जा रहे हैं लेकिन आर्थिक मोर्चे पर लिए गए फैसलों से स्वयं उनकी पार्टी के लोग भी संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। इसका संकेत एपी-एनओआरसी सर्वेक्षण में मिला है।एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण में सामने आया है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनकी आर्थिक नीतियों से प्रसन्न रहने वाले भी अब असंतुष्ट हैं और उनका मानना है कि राष्ट्रपति अपने फैसलों से हतप्रभ करने के स्तर तक उथल-पुथल पैदा कर रहे हैं। सर्वेक्षण में शामिल केवल 16 प्रतिशत रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि ट्रंप ने जीवनयापन की लागत को कम करने में 'काफी' मदद की है, जबकि अप्रैल 2024 में एपी-एनओआरसी के ही सर्वेक्षण में ऐसा मानने वालों का आंकड़ा 49 प्रतिशत था।

हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य आव्रजन के मुद्दे पर राष्ट्रपति के साथ नजर आते हैं। इस सर्वेक्षण में 10 में से केवल चार रिपब्लिकन ने कहा कि ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में जीवन यापन की लागत को कम करने में कम से कम 'थोड़ा' योगदान दिया है, जबकि 2024 के सर्वेक्षण में यह आंकड़ा 79 प्रतिशत था।

ईरान के लोगों को अमेरिका, इजराइल की 'चालों' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को ईरान के लोगों से अमेरिका और इजराइल की ''चालों'' को विफल करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया और इस्लामी गणराज्य के नेतृत्व से वहां प्रदर्शनकारियों की शिकायतों का समाधान करने की अपील की।

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका की आदत है कि वह संसाधनों पर नजर रखकर दूसरे देशों में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका की यह कहने की आदत है कि वह दूसरे देशों में नेतृत्व को हटाकर वहां लोकतंत्र स्थापित करना चाहता है... जो पूरी तरह गलत है। असल में, अमेरिका हमेशा हस्तक्षेप करना चाहता है, क्योंकि उसकी नजर ईंधन जैसे संसाधनों पर रहती है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका ने यह दावा करते हुए कि कई मुस्लिम देशों को तबाह कर दिया कि उन देशों में लोगों के खिलाफ 'अत्याचार' किए जा रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार की नमाज के बाद कश्मीर के कई हिस्सों में हुए प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा, ''हालांकि, गाजा में लोगों के खिलाफ सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन अमेरिका वहां हस्तक्षेप नहीं करता। मुझे खुशी है कि जम्मू कश्मीर, खासकर कश्मीर में लोग ईरान के समर्थन में सड़कों पर उतरे।''

मुफ्ती ने ईरान के लोगों से अमेरिका और इजराइल की योजनाओं को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि ईरान के लोग समझेंगे कि अमेरिका और इजराइल किसी के मित्र नहीं हैं, बल्कि मुसलमानों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उनकी नजर इन देशों में मौजूद पेट्रोल और अन्य संसाधनों पर है।''

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि अगर ईरान के लोग अमेरिका और इजराइल की चालों में फंस गए, तो उनकी हालत सीरिया से भी बदतर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी सरकार से शिकायतें होती हैं और शासन को भी उन शिकायतों का समाधान करना चाहिए, ''लेकिन ईरान के लोगों को समझना चाहिए और अमेरिका और इजराइल की चालों को मात देने के लिए एकजुट होना चाहिए।''

ईरान और भारत के संबंधों का जिक्र करते हुए पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि अतीत की तरह ही पूरे देश में इस्लामी गणराज्य के समर्थन में प्रदर्शन होने चाहिए।

बातचीत

सोनू कश्यप के परिवार के सदस्य शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ में सोनू की कथित हत्या को लेकर मेरठ कमिश्नरेट में आयोजित महापंचायत के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए।

हरिद्वार में हर की पौड़ी में 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगाए गए

हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड में हरिद्वार कुंभ क्षेत्र को हिंदू क्षेत्र घोषित करने तथा उसके तहत आने वाले सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों को गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित किए जाने की मांग के बीच शुक्रवार को हर की पौड़ी में 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगा दिए गए।

हर की पौड़ी समेत आसपास के घाटों का प्रबंधन और रखरखाव करने वाली संस्था गंगा सभा ने इस प्रकार का बोर्ड हर की पौड़ी क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों, पुलों की रेलिंग और खंभों पर लगा दिया है।

वैसे मुख्य स्नान घाट हर की पौड़ी समेत आसपास का क्षेत्र हरिद्वार नगर पालिका अधिनियम 1916 के अनुसार पहले ही गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित है।

लेकिन तीन दिन पूर्व कंदूरा (अरब के शेखों का लिबास) पहनकर दो युवकों के हर की पौड़ी क्षेत्र में घूमने का वीडियो वायरल होने के बाद गंगा सभा ने ये बोर्ड लगा दिए हैं। हालांकि, बाद में पता चला कि ये दोनों युवक हिंदू थे और अपने यूटयूब चैनल के लिए वीडियो बनाने आए थे।

गंगा सभा ने अगले साल होने वाले अर्धकुंभ से पहले पूरे हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में आने वाले सभी धार्मिक स्थानों, मंदिरों और गंगा घाटों को गैर हिंदुओं के लिए प्रतिबंधित करने की मांग उठाई है जिस पर उत्तराखंड सरकार भी गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है।

कंदूरा प्रकरण के बाद गंगा सभा ने सरकारी विभागों के अधिकारियों, अन्य संस्थाओं तथा मीडिया संस्थानों से भी अपील की थी कि वे अपने गैर हिंदू कर्मचारियों को इस क्षेत्र में नियुक्त नहीं करें । उन्होंने इसे क्षेत्र की मर्यादा और पवित्रता बनाए रखने के लिए इसे जरूरी बताया था ।

नए बोर्ड लगाए जाने के बारे में गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हरिद्वार नगर पालिका उपनियम 1916 के अनुसार, हरकी पौड़ी क्षेत्र में गैर हिंदू व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इस उपनियम के बारे में सभी को जानकारी देने के लिए इस तरह का बोर्ड लगाया गया है।'

इंसानियत और धैर्य पर दिव्या दत्ता का संदेश, सबका हक बरकरार है

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपने शानदार अभिनय के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी लोगों के दिलों में जगह बनाती हैं। वे अक्सर अपने पोस्टस के जरिए जीवन के गहरे मायने और महत्वपूर्ण संदेश शेयर करती रहती हैं। दिव्या दत्ता ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने सह-अस्तित्व पर गहरी बात की। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर लिखा, अगर हम चाहें तो सब लोग एक साथ, एक ही जगह पर मिल-जुलकर रह सकते हैं। सबका हक बरकरार है, क्योंकि ऊपर वाले ने सबको समान अधिकार दिए हैं। अगर हम थोड़े धैर्य और सहनशीलता के साथ चीजों को संभालें तो हर समस्या का हल निकल सकता है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, हम इंसान इस दुनिया में अकेले नहीं हैं। हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि जो हमें पसंद है वही रहेगा और जो पसंद नहीं है उसे हटा देंगे। उम्मीद और दुआ है कि सब कुछ ठीक होगा। मुझे पूरा भरोसा है कि अच्छा ही होगा।दिव्या दत्ता की यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन पर हार्ट और फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दिव्या का यह संदेश है कि समाज में अलग-अलग विचारों, संस्कृतियों और जीवनशैलियों के बीच तालमेल बिठाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने सह-अस्तित्व की बात करके यह संदेश दिया है कि आपसी समझ, धैर्य और सम्मान से ही हम एक बेहतर समाज बन सकते हैं। दिव्या दत्ता ने इस संदेश से एक बार फिर साबित किया कि वे सिर्फ एक अच्छी अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और जागरूक इंसान भी हैं। अभिनेत्री को पिछली बार फिल्म छावा में देखा गया था।

'साहस अक्सर अकेला होता है', 'मर्दानी 3' के जरिए रानी मुखर्जी ने पुलिसकर्मियों को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की वरिष्ठ अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने तीन दशकों से ज्यादा के अपने फिल्मी करियर में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चा में हैं। 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को दर्शक अभी तक काफी पसंद करते आए हैं। इसमें रानी का पुलिस इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार लोगों के दिलों में बसा हुआ है, ऐसे में वे उन्हें एक बार फिर उसी किरदार में देखने को काफी उत्सुक हैं। पुलिस प्रशासन की चुनौतियों और समर्पण के बारे में रानी मुखर्जी ने कहा, ''मैंने शिवानी के किरदार के जरिए पुलिस प्रशासन के असली साहस को महसूस किया। मैंने देखा है कि साहस अक्सर अकेला होता है और जो लोग कठिन परिस्थितियों में सही काम करते हैं, उन्हें बहुत बार अकेले ही उसका सामना करना पड़ता है। शिवानी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का किरदार नहीं है, बल्कि यह मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जो हमेशा मेरे साथ होता है। मैं इसकी सोच और व्यवहार को महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''मर्दानी फ्रेंचाइजी मेरे लिए पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और सलाम का जरिया है। मैं भारतीय पुलिस बल की सराहना करती हूं कि वे हर दिन कठिन परिस्थितियों में डटे रहते हैं। किसी शिकायत या पुरस्कार की उम्मीद के बिना देश की सेवा करते हैं।''

'मर्दानी 3' के ट्रेलर पर सामने आ रही दर्शकों की प्रतिक्रिया पर रानी ने कहा, ''देश के लोग सामाजिक अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए हमेशा तैयार हैं। लोगों का उत्साह और प्यार यह दिखाता है कि हम गलत के खिलाफ गुस्सा और सही काम के लिए गर्व महसूस करते हैं। हमारी फिल्म का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना भी है।'' 'मर्दानी 3' में इस बार कहानी ज्यादा डरावनी और झकझोर देने वाली है।

हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर की शुरुआत एक मासूम बच्ची के किडनैप वाले सीन से होती है, जिसके बाद खुलासा होता है कि शहर में लगातार बच्चियों के अपहरण हो रहे हैं। प्रशासन बेबस नजर आता है और हालात बेकाबू होते दिखते हैं।

ऐसे में इस गंभीर केस को सुलझाने की जिम्मेदारी एक बार फिर साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय को सौंपी जाती है। रानी मुखर्जी अपने इसी दमदार किरदार में लौट रही हैं। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है और इसे यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कॉन्वोकेशन

कोलकाता में सेंट जेवियर्स कॉलेज के 19वें कॉन्वोकेशन और वेलेडिक्टरी सेरेमनी के दौरान छात्र।

किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकतेम : सोनल चौहान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है। सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया।

'राहु केतु' के निर्माता सूरज सिंह के अनुसार फैंटेसी तब काम करती है, जब वह भावनात्मक रूप से सच्ची लगे

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बना रहे बीलाइव प्रोडक्शंस के निर्माता सूरज सिंह, ऐसी कहानियों का समर्थन करते हैं, जो परंपरागत सोच को चुनौती दे, लेकिन साथ ही दर्शकों से भावनात्मक रूप से जुड़ी भी रहे। फिलहाल उनकी आगामी फिल्म 'राहु केतु' उनके इसी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जो एक हाई-कॉन्सेप्ट फैंटेसी ड्रामा होने के बावजूद भव्य कल्पनाशील दुनिया को मानवीय भावनाओं के साथ संतुलित करता है। फिलहाल पारंपरिक पौराणिक फॉर्मूलों पर निर्भर रहने के बजाय, सूरज सिंह एक ऐसी सिनेमैटिक दुनिया गढ़ने पर ध्यान दे रहे हैं, जो नई और पूरी तरह कहानी-केंद्रित हो। यही वजह है कि उन्होंने 'राहु केतु' के ज़रिए दर्शकों को ऐसी भव्यता देने की कोशिश की है, जो कहानी को मनोरंजक बनाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी गहराई से जोड़े। अपने क्रिएटिव दर्शन को साझा करते हुए सूरज सिंह कहते हैं कि उनके लिए हाई-कॉन्सेप्ट सिनेमा का मतलब केवल जटिलता नहीं है। वे कहते हैं, फैंटेसी तब काम करती है, जब वह भावनात्मक रूप से सच्ची लगे, भले ही उसकी दुनिया असली न हो। उनके अनुसार, दर्शक भले ही थिएटर में विज़ुअल भव्यता के लिए आते हों, लेकिन वे फिल्म से जुड़े रहते हैं उसकी भावनाओं की वजह से।

वह मानते हैं कि हाई-कॉन्सेप्ट स्टोरीटेलिंग में दर्शकों को डर, प्यार, उम्मीद या संघर्ष जैसी जानी-पहचानी भावनाओं का अनुभव होना चाहिए, चाहे कहानी किसी भी काल्पनिक परिवेश में क्यों न रची गई हो। यही संतुलन फिल्मों को यादगार बनाता है और उन्हें ओपनिंग वीकेंड से आगे भी दर्शकों के दिलों में बनाए रखता है। बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'राहु केतु' 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। सूरज सिंह बीलाइव प्रोडक्शंस की प्रमुख शक्ति हैं और बालाजी टेलीफिल्म्स में टीवी, फिल्म्स और इंटरनेशनल बिज़नेस डिविज़न का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में बीलाइव प्रोडक्शंस ने काजोल, विशाल जेठवा, राजीव खंडेलवाल और आमिर खान अभिनीत 'सलाम वेंकी' जैसी सराही गई फिल्म का निर्माण किया है, जिसका निर्देशन रेवती ने किया था। फिलहाल कंपनी की आगामी फिल्मों में 'राहु केतु' शामिल है, जिसका निर्देशन 'फुकरे' के निर्माता विपुल विग ने किया है और इसमें पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, चंकी पांडे, शालिनी पांडे, अमित सियाल और पियूष मिश्रा जैसे दमदार कलाकार हैं। इसके अलावा, बीलाइव की आगामी फिल्मों में परेश रावल और अनंत जोशी जैसे दिग्गज कलाकारों से सजी फिल्म 'अजेय' भी शामिल है, जिसका निर्देशन रविंद्र गौतम कर रहे हैं। इसके अलावा सूरज सिंह ने 'एक विलेन', 'रागिनी एमएमएस 2', 'शूटआउट एट वडाला', 'एक थी डायन' और 'द डर्टी पिक्चर' जैसी बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में एग्ज़ीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम किया है। साथ ही 'एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी', 'हाफ गर्लफ्रेंड' और 'ए फ्लाइंग जट्ट' जैसी फिल्मों में वह एसोसिएट प्रोड्यूसर रहे हैं।

मुमुक्षु लवेश का कर्नाटक विहार सेवकों ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधन केंद्र भवन में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी व उपप्रवर्तनीश्री सत्यप्रभाजी के सान्निध्य में शुक्रवार को जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक विहार सेवा के सदस्यों द्वारा दीक्षार्थी मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया गया। नरेशमुनिजी ने विहार सेवा सदस्यों की सेवा की सराहना करते हुए सुरक्षित विहार का महत्व समझाया।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय वैयावच्च अध्यक्ष विनोद पगारिया ने सभी का स्वागत किया, मंत्री प्रकाश बोहरा ने अपने भाव व्यक्त किए। कर्नाटक प्रांतीय वैयावच्च महिला अध्यक्षा प्रभाबाई खाबिया सहित ने स्वागत गीत गाया। पदाधिकारियों सहित महेंद्र मेहता, रमेश खाबिया,गौतम छाजेड़ सहित नविहार सेवा टीम के एक सदस्य ने सम्मान किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने 'आनंद सबके लिए' पहल के अंतर्गत मासिक सेवा कार्यक्रम 'अन्नदान–खुशियों की थाली' का आयोजन मकर संक्रांति के अवसर पर अन्नपूर्णेश्वरी नगर में किया जिसमें 1300 से अधिक जरूरतमंद जनों व स्कूली बच्चों को अन्नदान किया गया। दि रियर इंटीरियर सॉल्यूशन के साहिल केडिया के सौजन्य से आयोजित इस अन्नदान सेवा में संयोजक रूपेश केडिया, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, पूर्व सचिव उमेश तुलस्यान, अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया सहित अनेक सदस्यों ने सेवा दी।

कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेन्स की साधारण सभा में आगामी कार्यक्रों की बनी रूपरेखा

मुमुक्षु लवेश सिंघवी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्त की साधारण सभा पुष्कर आराधना भवन में आयोजित हुई। अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए गतिविधियों की जानकारी दी। महामंत्री नेमीचंद दलाल द्वारा गत वर्ष में संपन्न हुए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इस बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा समाजहित में अनेक निर्णय लिए गए। बैठक में जीवदया योजना के अंतर्गत कोप्पल गौशाला हेतु 1 लाख 21 हजार की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया। आगामी 25 जनवरी को संतश्री नरेशमुनिजी के सान्निध्य में होने वाले दीक्षा कार्यक्रम में सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का अनुरोध किया गया। आगामी अक्षय तृतीया के मौके पर गणेश बाग में डॉ समकितमुनिजी के सान्निध्य में अक्षय तृतीया पारणा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मई माह में समकितमुनिजी के सान्निध्य में पुष्कर आराधना भवन में बाल संस्कार शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने सभी सदस्यों से इन निर्णयों के पालन करने का निवेदन करते हुए संपन्न हुए विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की।

बैठक में राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने सुझाव दिया कि ज्ञानशाला हेतु प्रान्तीय शाखा मिलकर कार्य करें। युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली द्वारा नए सदस्य अभियान तथा किक्रेट प्रतियोगिता आदि की जानकारी दी गई।ङ्गबैठक में वैयावच्चा मंत्री प्रकाश बोहरा ने विभिन्न विहार सेवाओं का ब्यौरा दिया। महेन्द्र रांका ने स्थायी कॉन्फ्रेंस कार्यालय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए चर्चा की। जीवन प्रकाश योजना के अध्यक्ष एवं गुरु ज्येष्ठ पुष्कर सेवा समिति के महामंत्री महावीर मेहता द्वारा मुमुक्षु लवेश सिंघवी की दीक्षा की जानकारी दी गई।

इस मौके पर क्रॉन्फेन्स के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया गया। लवेश सिंघवी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया अंत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रान्तीय प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल पोखरना, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, उपाध्यक्ष जसवन्त गन्ना, हस्तीमल बाफना, सुरेन्द्र आंचलिया सहित आदि बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

जीवन के आंतरिक परिवर्तन का पर्व है मकर संक्रांति : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मडगांव (गोवा)। शहर में मकर संक्रांति पर आयोजित विशेष सभा में संतश्री वरुणमुनिजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब सूर्य देव एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं, तो ज्योतिष के अनुसार उस संक्रमण काल को संक्रांति कहा जाता है। यद्यपि संक्रांति प्रतिमाह आती है, परंतु मकर संक्रांति का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत विशिष्ट है तथा इसे पूरे भारतवर्ष में हर्ष और श्रद्धा से मनाया जाता है। गुरुदेव ने समझाया कि संक्रांति केवल बाहरी खगोलीय परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन के आंतरिक परिवर्तन का भी शुभ अवसर है। जिस दिन मनुष्य अपने भीतर अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, अधर्म से धर्म की ओर, बुराइयों से अच्छाइयों की ओर कदम बढ़ाता है, वही दिन उसके जीवन की सच्ची संक्रांति बन जाता है। इस मौके पर राष्ट्रसंत उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी ने कहा कि जीवन में परिवर्तन तभी संभव है जब मनुष्य सचेत होकर स्वयं को सुधारने के लिए समर्पित हो। उन्होंने कहा कि संक्रांति तभी सार्थक है, जब हमारे जीवन में आंतरिक रूपांतरण घटित हो। सभा के दौरान संतों के सान्निध्य में विशेष बीज मंत्रों का जप एवं अनुष्ठान भी संपन्न हुआ। रूपेशमुनिजी महाराज ने मधुर गुरु भक्तिगीत प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत किया। कार्यक्रम में गोवा संघ के अध्यक्ष, महामंत्री एवं बड़ी संख्या में गुरु भक्त उपस्थित रहे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

उड़ान प्रदर्शनी में महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक चेतना का हुआ संगम

'जीतो' लेडीज़ विंग ने गणेश बाग में किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के तत्वावधान में 15 एवं 16 जनवरी को लेडीज़ विंग द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'उड़ान बी2सी ट्रेड फेयर–2026' का शुभारंभ गणेश बाग में किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ राज्यसभा सांसद लहरसिंह, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद पी सी मोहन, कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, जीतो नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, लेडीज़ चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ सहित जीतो के अन्य पदाधिकारियों व अतिथियों ने किया।ङ्गमुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया तथा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने इस प्रदर्शनी की परिकल्पना एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। 'उड़ान' प्रदर्शनी में 130 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से महिला उद्यमियों द्वारा व्यापार, नवाचार, फैशन, लाइफस्टाइल, हैंडलूम, फूड, हेल्थ एवं सर्विस सेक्टर से जुड़े उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। ङ्गङ्गमुख्य अतिथि सांसद पी सी मोहन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों, प्रतिभा एवं व्यावसायिक क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। विमल कटारिया ने इस प्रदर्शनी को महिला उद्यमिता एवं सेवा का सशक्त मंच बताया। सिरोया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं को अपने व्यवसाय, नवाचार एवं कौशल को व्यापक मंच प्राप्त होता है। मंत्री गुंडूराव ने महिलाओं की आर्थिक उन्नति को परिवार एवं समाज की मजबूती से जोड़ते हुए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित जांच एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। धुनिशन स्कूल ऑफ म्यूजिक की संस्थापिका दीप्ति गौरव ने रचनात्मकता, संस्कार, संगीत एवं जीव–दया को सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम बताया। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु व लेडीज विंग द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया।

सामाजिक दात्यिव पहल के अंतर्गत उड़ान प्रदर्शनी में संतोष हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर व मेड स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण जागरूकता के लिए माई बैग–माई स्टाइल अभियान के माध्यम से पर्यावरण पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रायोजक संतोष हॉस्पिटल व पिरगल कन्सलटिंग के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। प्रदर्शनी में लेडीज उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमुथा, मेंटर रेश्मा पुनमिया,मधु कटारिया, सहमंत्री सुमन रांका, पूर्व अध्यक्ष ललिता नागोरी, प्रमिला भंडारी, अनीता पिरगल, पिंकी जैन, बिन्दु रायसोनी एवं साउथ लेडीज विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी, मंत्री निधि पालरेचा एवं टीम की उपस्थिति थी। संयोजिका बिन्दु नाहर व सह संयोजिका सारिका जैन एवं उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली।

जागरूकता व सर्तकता ही साइबर अपराध से बचने का रामबाण उपाय : पुलिस अधिकारी

'जीतो' सदस्याओं ने 'साइबर पीस यात्रा' से साइबर जागरूकता का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ लेडीज विंग द्वारा आयोजित 'उड़ान' प्रदर्शनी के दूसरे दिन सदस्याओं द्वारा नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति सजग करने एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'साइबर पीस यात्रा' का आयोजन किया गया। यह रैली गणेश बाग से प्रारंभ होकर मुख्य रास्ते से होते हुए आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल सतर्कता, फेक कॉल, ऑनलाइन ठगी एवं सोशल मीडिया फ्रॉड से सावधान रहने का संदेश देते हुए वापस गणेश बाग लौटी। इसके पश्चात साइबर अपराधों पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके माध्यम से उपस्थित जनसमूह को डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेडीज़ विंग नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने की। लेडीज नॉर्थ की महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने 'साइबर पीस यात्रा' को समाज में डिजिटल जागरूकता एवं सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में सुमन वेदमुथा व नीता गादिया द्वारा विषय प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साइबर क्राइम डिविजन के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस केएन यशवंत कुमार ने अपने संबोधन में साइबर अपराधों की विभिन्न प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फोन पर दी जाने वाली धमकियाँ अधिकांशतः फर्जी होती हैं, जिनसे भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने वर्चुअल किडनैप, फेक कॉल, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, फर्जी लोन एप्लिकेशन, टास्क बेस्ड फ्रॉड एवं संबंधित अपराधों की जानकारी देते हुए बताया कि लालच और डर के माध्यम से लोगों को ठगा जाता है। उन्होंने फेसबुक, इंस्टाग्राम, ई–मेल, ओटीपी, फेक एप्लीकेशन, कॉल फॉरवर्डिंग के दुरुपयोग तथा आरटीओ ट्रैफिक के नाम से बनाई जाने वाली फर्जी आईडी से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने नागरिकों से किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल या मैसेज पर प्रतिक्रिया न देने, किसी भी प्रकार का भुगतान न करने एवं ऐसे मामलों में तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता व सर्तकता ही साइबर अपराध से बचने का रामबाण उपाय है। साथ ही उन्होंने डिजिटल लेनदेन में सतर्कता, केवल आधिकारिक एप्लिकेशन के उपयोग एवं संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल रिपोर्टिंग का संदेश दिया। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ चैप्टर की ओर से मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया। मीना बडेरा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी ने जालना निकाय चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता

बेंगलूरु/जालना। पत्रकार एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता गौरी लंकेश की 2017 में हुई हत्या के आरोपी श्रीकांत पंगारकर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के जालना नगर निगम से पार्षद का चुनाव जीत लिया। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ था और आज वहां वोटों की गिनती जारी है। पंगारकर ने वार्ड नंबर 13 से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, भाजपा के रावसाहेब धोबले को हराया। एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंगारकर को 2,661 मत मिले, जबकि धोबले को 2,477 वोट प्राप्त हुए। शिवसेना को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने पंगारकर के खिलाफ अपने उम्मीदवार उतारे थे।

गौरी लंकेश की पांच सितंबर, 2017 को बेंगलूरु में उनके आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या को लेकर देश भर में रोष व्यक्त किया गया था। अगस्त 2018 में, महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते ने विस्फोटक अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत पंगारकर को गिरफ्तार किया था। उन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा चार सितंबर, 2024 को जमानत दी गई थी। पंगारकर इससे पहले 2001 से 2006 तक जालना नगर परिषद के सदस्य थे, उस समय शिवसेना अविभाजित थी। 2011 में शिवसेना से टिकट न मिलने के बाद, वह दक्षिणपंथी हिंदू जनजागृति समिति में शामिल हो गए।

'धार्मिक-आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है मूर्ति रूप भगवान की पूजा'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजाजीनगर में धर्मीचन्द प्रकाशकुमार कुंकुलोल परिवार द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय अर्हत महापूजन के अंतर्गत साध्वी भव्यगुणाश्रीजी व शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि मंदिर और मूर्तिमंत भगवान श्रद्धा, भक्ति, आत्मविश्वास और उपासना के श्रेष्ठ माध्यम हैं। मूर्ति के रूप में भगवान की पूजा मनुष्य के धार्मिक, आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है। जैसे माता–पिता से जीवन की शुरुआत होती है, वैसे ही मूर्तिमंत भगवान के दर्शन–पूजन से हर सामान्य जीवन का धार्मिक, आध्यात्मिक विकास प्रारंभ होता है। मूर्तिपूजा का इतिहास बहुत प्राचीन एवं प्रेरणादायी है। साक्षात जीवंत परमात्मा को पाकर जितनी आत्माएं भव से पार उतरती हैं, उनसे अनेक गुणा अधिक आत्माएं मूर्तिमंत भगवान की साधना–आराधना करते हुए संसार से पार उतर जाती हैं।

इस अर्थ में मूर्तियां और उनके पूजन–अनुष्ठान किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। किसी धार्मिक प्रतीक के बिना कोई धर्म या मान्यता गति नहीं कर सकती। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में पंचान्हिका महोत्सव धूमधाम से चल रहा है। संगीतकार नरेन्द्र वाणीगोता ने भजनों की प्रस्तुति दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**